सांध्य दैनिक
नई दृष्टिबिंदु
सच की शक्ति, जनता की दृष्टि

PRGI Reg No - CTHIN/25/A3746

वर्ष–01 अंक–46 | संपादक आलोक तिवारी | दुर्ग, शनिवार 07 मार्च 2026 | पृष्ठ 08 | मूल्य –2 रुपए,

सु-विचार

ज़िंदगी में सोच का अंधेरा, रात के अंधेरे से ज्यादा खतरनाक होता है..!!

अज्ञात...

मनाली की 'दादी' हिडिंबा : महाभारत से जुड़ा अद्भुत धार्मिक स्थल, आज भी पर्यटकों के लिए बना है आकर्षण का केन्द्र

मनाली से संदीप सिंह / मनाली

हिमाचल प्रदेश के पर्यटन नगर मनाली में स्थित हिडिंबा देवी मंदिर केवल एक धार्मिक स्थल ही नहीं, बल्कि भारतीय पौराणिक परंपरा, स्थानीय संस्कृति और ऐतिहासिक वास्तुकला का अद्भुत संगम भी है। देवदार के घने जंगलों के बीच स्थित यह मंदिर सदियों से श्रद्धा और आस्था का केंद्र बना हुआ है। महाभारत काल से जुड़ी इसकी कथा इसे विशेष आध्यात्मिक महत्व प्रदान करती है और यही कारण है कि देश-विदेश से आने वाले पर्यटक और श्रद्धालु यहां दर्शन के लिए पहुंचते हैं।

महाभारत काल से जुड़ी पौराणिक कथा

हिडिंबा देवी की कथा का उल्लेख महान भारतीय महाकाव्य महाभारत में मिलता है। पौराणिक मान्यता के अनुसार हिडिंबा मूल रूप से एक राक्षसी थीं, जो अपने भाई हिडिंब के साथ मनाली क्षेत्र के घने जंगलों में निवास करती थीं। उस समय यह पूरा क्षेत्र निर्जन और वनाच्छादित था। कथा के अनुसार जब पांडव अपने अज्ञातवास के दौरान इस क्षेत्र में पहुंचे, तब हिडिंब ने उन्हें मारने की योजना बनाई। किंतु इस दौरान पांडवों में सबसे बलशाली भीम और हिडिंब के बीच भीषण युद्ध हुआ। इस युद्ध में भीम ने हिडिंब का वध कर दिया।

युद्ध के बाद हिडिंबा ने भीम की वीरता और व्यक्तित्व से प्रभावित होकर उनसे विवाह कर लिया। इस विवाह से उनके एक पुत्र का जन्म हुआ जिसका नाम घटोत्कच रखा गया। घटोत्कच ने आगे चलकर महाभारत युद्ध में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और अपनी अद्भुत शक्तियों के कारण युद्ध में वीरता का परिचय दिया।

तपस्या से देवी रूप तक

पौराणिक मान्यता के अनुसार भीम कुछ समय बाद अपने भाइयों के साथ आगे बढ़ गए। उनके जाने के बाद हिडिंबा ने मनाली के इसी स्थान पर एक गुफा में घोर तपस्या आरंभ की। कहा जाता है कि उनकी कठोर साधना से प्रसन्न होकर दुर्गा ने उन्हें आशीर्वाद दिया और उन्हें दिव्य शक्ति प्रदान की। तपस्या के बाद हिडिंबा देवी के रूप में प्रतिष्ठित हुई और समय के साथ वे इस क्षेत्र की कुलदेवी के रूप में पूजी जाने लगीं। स्थानीय लोग उन्हें स्नेहपूर्वक 'मनाली की दादी' भी कहते हैं। कुल्लू घाटी की धार्मिक परंपराओं में हिडिंबा देवी का विशेष स्थान है और कई स्थानीय देव परंपराओं में उनका आशीर्वाद अत्यंत महत्वपूर्ण माना जाता है।

मंदिर का निर्माण व ऐतिहासिक पृष्ठभूमि

वर्तमान हिडिंबा देवी मंदिर का निर्माण वर्ष 1553 ईस्वी में कुल्लू के तत्कालीन शासक महाराजा बहादुर सिंह ने करवाया था। यह मंदिर अपने समय की उत्कृष्ट पहाड़ी वास्तुकला का अद्भुत उदाहरण माना जाता है। मंदिर की सबसे खास बात इसकी चार मंजिला पैगोडा शैली की छत है, जो हिमालयी क्षेत्र की पारंपरिक वास्तुकला को दर्शाती है। मंदिर मुख्य रूप से लकड़ी और पत्थर से निर्मित है। इसकी बाहरी दीवारों और स्तंभों पर की गई लकड़ी की नक्काशी स्थानीय शिल्पकला की उत्कृष्टता को प्रदर्शित करती है। मंदिर के गभर्गृह में देवी की पारंपरिक मूर्ति स्थापित नहीं है। इसके स्थान पर एक विशाल प्राकृतिक चट्टान है, जिसे देवी के चरणचिह्न के रूप में पूजा जाता है। यही चट्टान मंदिर की सबसे पवित्र धरोहर मानी जाती है।

धार्मिक और सांस्कृतिक महत्व

हिडिंबा देवी मंदिर केवल एक पूजा स्थल नहीं बल्कि कुल्लू-मनाली क्षेत्र की सांस्कृतिक पहचान का भी प्रतीक है। हर वर्ष मई महीने में यहां 'ढुंगरी मेला' आयोजित किया जाता है। यह मेला देवी हिडिंबा के जन्मोत्सव के रूप में मनाया जाता है और इसमें स्थानीय लोग पारंपरिक वेशभूषा, नृत्य और संगीत के साथ भाग लेते हैं। इस मेले के दौरान कुल्लू घाटी के विभिन्न गांवों के देवता भी यहां पधारते हैं, जिससे यह आयोजन धार्मिक और सांस्कृतिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण बन जाता है।

वर्तमान समय में महत्व

आज के समय में हिडिंबा देवी मंदिर मनाली आने वाले पर्यटकों के लिए प्रमुख आकषर्णों में से एक है। ओल्ड मनाली के पास ढुंगरी वन विहार क्षेत्र में स्थित यह मंदिर देवदार के घने जंगलों से घिरा हुआ है, जो इसकी प्राकृतिक सुंदरता को और भी बढ़ा देता है। मंदिर प्रतिदिन सुबह लगभग 8 बजे से शाम 6 बजे तक श्रद्धालुओं के लिए खुला रहता है। मंदिर परिसर के पास ही घटोत्कच का मंदिर भी स्थित है, जहां श्रद्धालु दर्शन के लिए जाते हैं।

हिडिंबा देवी मंदिर आस्था, इतिहास और पौराणिक परंपरा का अद्भुत संगम है। महाभारत काल की कथा से जुड़ा यह मंदिर न केवल धार्मिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है बल्कि हिमाचल प्रदेश की सांस्कृतिक विरासत का भी एक अमूल्य प्रतीक है। सदियों से चली आ रही आस्था और परंपराओं के कारण यह मंदिर आज भी श्रद्धालुओं और पर्यटकों के लिए समान रूप से आकर्षण का केंद्र बना हुआ है।

त्वरित टिप्पणी

विदेश नीति पर फ्रंटफुट की अपेक्षा, क्या बैकफुट पर है नेतृत्व?

आलोक तिवारी / भिलाई

भारत जैसे उभरते वैश्विक राष्ट्र में आम नागरिक यह अपेक्षा करता है कि उसका प्रधानमंत्री अंतरराष्ट्रीय मामलों में सक्रिय, स्पष्ट और मजबूत भूमिका निभाए। विशेष रूप से जब विश्व राजनीति तेजी से बदल रही हो और क्षेत्रीय व वैश्विक संकट लगातार सामने आ रहे हों, तब देश की जनता अपने नेतृत्व से फ्रंटफुट पर आकर कूटनीतिक पहल करने की उम्मीद करती है।

इसी संदर्भ में कई राजनीतिक और सामाजिक हलकों में यह चर्चा सामने आ रही है कि भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से लोगों को विदेशी नीति के मोर्चे पर अधिक आक्रामक और निर्णायक भूमिका की अपेक्षा है। आलोचकों का मानना है कि कुछ मौजूदा अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर भारत की प्रतिक्रिया अपेक्षाकृत संयमित या सावधानीपूर्ण दिखाई दे रही है, जिससे यह धारणा बन रही है कि नेतृत्व फ्रंटफुट के बजाय बैकफुट पर नजर आ रहा है।

भारत की विदेश नीति परंपरागत रूप से संतुलन, रणनीतिक धैर्य और बहुपक्षीय संबंधों पर आधारित रही है। यही कारण है कि कई बार सरकार सार्वजनिक बयानों से अधिक पर्दे के पीछे कूटनीतिक प्रयासों को प्राथमिकता देती है। लेकिन लोकतांत्रिक व्यवस्था में जनमत भी एक महत्वपूर्ण कारक होता है और जनता यह चाहती है कि वैश्विक मंचों पर भारत की आवाज अधिक स्पष्ट और प्रभावशाली तरीके से सामने आए।

विशेषज्ञों का मानना है कि भारत की भूमिका अब केवल एक क्षेत्रीय शक्ति तक सीमित नहीं रह गई है, बल्कि वह वैश्विक राजनीति और अर्थव्यवस्था में भी एक महत्वपूर्ण खिलाड़ी बन चुका है। ऐसे में सरकार के सामने चुनौती यह होती है कि वह राष्ट्रीय हितों की रक्षा करते हुए संतुलित कूटनीति भी बनाए रखे और साथ ही जनता के भरोसे और अपेक्षाओं पर भी खरा उतरे।

इस परिस्थिति में विदेश नीति के प्रत्येक कदम पर देश और दुनिया दोनों की नजर रहती है। इसलिए आम नागरिक की चिंता और अपेक्षा दोनों स्वाभाविक हैं—वह चाहता है कि भारत का नेतृत्व वैश्विक मंच पर आत्मविश्वास और पहल के साथ आगे बढ़े, ताकि देश की प्रतिष्ठा और हित दोनों सुरक्षित रह सकें।

भाजपा नेता की जमीन पर हो रही है अफीम की खेती

कलेक्टर अभिजीत सिंह सहित पुलिस प्रशासन के आला अफसर पहुंचे मौके पर, मचा हड़कंप

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

प्रदेश किसान मोर्चा के एक बड़े नेता की जमीन पर दुर्ग जिले के ग्राम समोंदा नदी घाट के पास अफीम की खेती की खबर से हड़कंप मच गया। सूचना पर कलेक्टर अभिजीत सिंह, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मणिशंकर चंद्रा ने मौके का निरीक्षण कर आगे की कार्रवाई शुरु की है। पुलिस ने एक भाजपा नेता को हिरासत में भी लिया है। जमीन भाजपा नेता की है, लेकिन खेती यहां राजस्थानी समूह द्वारा की जा रही है।

दो एकड़ जमीन में अफीम की खेती

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार ग्राम समोंदा और -ों-री के पास स्थित खसरा नंबर 310 की यह जमीन मधुमती ताम्रकार और प्रीतिबाला ताम्रकार के नाम पर हैं। कुल 9 एकड़ 92 डिस्मिल में खेती हो रही है। जब पुलिस मौके पर पहुंची तो लगभग 2 एकड़ में अफीम की फसल भी लहलती दिखाई दी। लगभग 5 एकड़ में मक्के की फसल लगाई गई है और मक्के की फसल के बीच में अफीम के पौधे लगाए गए हैं और फल और फूल दोनों खिलते हुए दिख रहे हैं। कलेक्टर अभीजीत सिंह भी मौके पर पहुंचकर निरीक्षण किया। कलेक्टर के साथ तहसीलदार और आरआई व राजस्व की टीम भी पहुंची। प्रशासन और पुलिस की टीम ने खेत में लगी फसल का सैम्पल भी एकत्र किया है।

लगभग 300 एकड़ जमीन है पुराने जमीदार के पास

ग्रामीणों का कहना है कि ताम्रकार परिवार इलाके के पुराने जमीदार हैं और इनके पास 300 एकड़ से ज्यादा जमीन होने का दावा किया जाता है। वर्तमान में विनायक ताम्रकार भाजपा किसान मोर्चा के राइस मिल प्रसंस्करण प्रकल्प के प्रदेश संयोजक के पद पर हैं। परिवार को फ्रेंसिंग पोल का व्यवसाय भी है। परिवहन विभाग के कार्यालय में भी विनायक की सक्रियता सर्वविदित है। मामला प्रकाश में आने के बाद समोंदा से भटगांव तक शिवनाथ नदी के किनारे फैले खेतों की भी हो रही खेती की जांच शुरु की गई है। इधर पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल आज कांग्रेस दल के साथ समोंदा पहुंचकर निरीक्षण करने वाले हैं।

खेती की जानकारी नहीं

भाजपा नेता विनायक ताम्रकार का कहना है कि अफीम की खेती के बारे में उन्हें कोई जानकारी नहीं है। उन्होंने बताया कि वह जमीन अधिया में खेती करने के लिए दी गई थी। प्रीतिबाला ताम्रकार और मधुबाला ताम्रकार के खेत में राजस्थानी लोग चोरी छिपे अफीम की खेती कर रहे थे। मामले की जांच पुलिस कर रही है। उन्हें अफीम की खेती की जानकारी नहीं है।

पटवारी से मांगी गई गिरदावरी रिपोर्ट

कलेक्टर अभिजीत सिंह मौके पर पहुंचे थे। उन्होंने बताया कि इस साल धान कटाई के पहले डिजिटल सर्वे हुआ था, इस पटवारी से खेत की गिरदावरी रिपोर्ट भी मांगी गई है। इससे यह पता लगाया जाएगा कि सर्वे के दौरान खेत में किस फसल की जानकारी दर्ज कराई गई थी। उन्होंने राजस्व, आबकारी और एसडीएम से पूरी रिपोर्ट तलब की है। ताकि किस स्तर पर लापरवाही हुई हो तो जिम्मेदारों पर कार्रवाई की जा सके।

अफीम की कीमत 5 लाख रुपए तक

जानकारी के मुलाबिक अंतरराष्ट्रीय बाजार में अफीम की कीमत 5 लाख रुपए प्रतिकिलो तक होती है। इस अवैध कारोबार से बड़े नेटवर्क से जुड़े होने की आशंका जताई जा रही है।

सरपंच को गांव के वॉट्सअप ग्रुप पर मिली थी फोटो

दरअसल अफीम की खेती का राज खुलता ही नहीं, गांव के बच्चे होली के दिन होली खेलने के बाद शिवनाथ नदी नहाने गए। बच्चों की नजर अफीम के खूबसूरत फूलों पर पड़ी और बच्चों ने मोबाईल से फोटो खींचकर गांव के वॉट्सअप ग्रुप पर डाल दिया। समोंदा गांव के सरपंच अरुण गौतम ने बताया कि यह जमीन विनायक और बृजेश ताम्रकार की है। यह जमीन उनके परिवार के कई लोगों के नाम पर दर्ज है। वॉटअप ग्रुप में आई फोटो को सरपंच ने गूगल पर सर्च मारा तो वह अफीम का पौधा निकला। तब सरपंच अरुण गौतम ने इसकी जानकारी जेवरा-सिरसा पुलिस को दी। पुलिस सूचना के आधार पर मौके पर दबिश दी और भांडाफोड़ हुआ।

बेहद चिंतनीय मामला, जांच के बाद होगी कार्रवाई

कलेक्टर अभिजीत सिंह ने कहा कि ग्राम समोंदा में अफीम की खेती की जानकारी मिलने के बाद मौके का निरीक्षण किया गया। शुरुवाती जांच में अफीम की खेती पाई गई है। जांच के दायरे में आने वाले सभी लोगों को हिरासत में लिया गया है। जांच के बाद कोई भी दोषी बख्शा नहीं जाएगा।

बच्चों की हुई थी पिटाई

ग्रामीणों का कहना है कि जिस बच्चे ने वॉटअप पर अफीम की खेती की फोटो शेयर की थी, उसे खेत की सुरक्षा पर लगे बाउसरों ने बुरी तरह पीटा था। परिवार के लोगों ने बच्चे का उपचार भी कराया है। डर के कारण बच्चा फिलहाल सामने नहीं आ रहा है।

आरोप | प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने जारी किया बयान

छग अवैध शराब का गढ़ बन गया है - कांग्रेस

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

राज्य में जब से भाजपा की सरकार बनी है। छत्तीसगढ़ अवैध शराब का गढ़ बन गया है।

प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि साय सरकार शराब की काली कमाई में डूबी हुई है। पूरे प्रदेश में शराब तस्करी करके अवैध शराब बेची जा रही है।

राजनांदगांव में महतारी एक्सप्रेस का उपयोग शराब तस्करी के लिए किया जा रहा था। मुंगेली में स्कूल को अवैध शराब का डंप यार्ड बना दिया गया। राजधानी रायपुर के तेलीबांधा, राजनांदगांव सहित प्रदेश के सभी शहरों में नकली होलो ग्राम लगा कर अवैध शराब बेची जा रही। पड़ोसी राज्यों उड़ीसा, महाराष्ट्र, झारखंड से बड़ी मात्रा में शराब ला कर प्रदेश में बेची जा रही। शराब के इस अवैध कारोबार में सरकार खुद शामिल है। सरकारी शराब दुकानों से दो नंबर की शराब बेची जा रही है। बिना सरकार के संरक्षण के न अवैध शराब राज्य में आ सकती है और न ही बेची जा सकती है।

छत्तीसगढ़ में भाजपा सरकार की नकली मिलावटी और अवैध शराब को संरक्षण देने का आरोप लगाते हुए प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा है कि राजधानी रायपुर के तेलीबांधा में नकली होलो ग्राम वाली शराब पकड़ाये। राजनांदगांव अवैध शराब का केन्द्र बन गया है। बलरामपुर के सरकारी शराब दुकान में बियर के बोतल में गंदा पानी मिला, जगदलपुर में दर्जनों पेटी अवैध शराब पकड़ाई, मध्यप्रदेश से जगदलपुर तक कई जिलों की सीमा पार कर अवैध शराब की निर्बाध सप्लाई बिना सत्ता के संरक्षण के संभव नहीं है। सरकारी शराब दुकानों में दो गल्ले चल रहे है। बलरामपुर के सरकारी शराब दुकान में जो बियर की बोतल में गंदा पानी निकल रहा है और ऐसे मिलावटी शराब से जो वसूली हो रही है उसका पैसा किस गल्ले में जा रहा है? नकली और मिलावटी शराब का सरगना कौन है? शराब की काली कमाई में किस-किस की हिस्सेदारी है, छत्तीसगढ़ की जनता जानना चाहती है।

त्रैमासिक कौशल उन्नयन प्रशिक्षण समापन 14 को

भिलाई। अखिल भारतीय उत्कृष्ट बहुउद्देशीय संस्था द्वारा कौशल उन्नयन प्रशिक्षण के तहत निर्धन एवं जरूरतमंद बहनों के आर्थिक विकास की दृष्टिसे तीन माह का सिलाई-कढ़ाई प्रशिक्षण कैंप 1, वार्ड-28 के सार्वजनिक भवन में 14 दिसंबर 25 से 14 मार्च 26 मार्च तक दिया गया। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर, 15 मार्च -26 रविवार को प्रातः 10:00 बजे से 1:30 बजे तक समापन व सम्मान समारोह का आयोजन रखा गया है। यह कार्यक्रम वार्ड-6, रुआबांधा सेक्टर के नारी जागरण केंद्र के डोम शेड में स्वर्गीय वेणुगोपाल नायर परिसर में रखा गया है। इस सम्मान समारोह के मुख्य अतिथि - दुर्ग ग्रामीण के विधायक ललित चंद्राकर होंगे। अति विशिष्ट अतिथि इंद्रजीत सिंग छोटू सर्व समाज कल्याण समिति के अध्यक्ष व समाज सेविका श्रीमती विनीता पांडेय होंगी। मुख्य वक्ता स्वरूपानंद महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. हंसा शुक्ला होगी। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रोफेसर डी. एन. शर्मा जी करेंगे। यह जानकारी अखिल भारतीय उत्कृष्ट बहुउद्देशीय संस्था की अध्यक्ष श्रीमती शानू मोहनन द्वारा दी गई है।

यूपीएससी सिविल सेवा परीक्षा में सफल प्रदेश के अभ्यर्थियों को मुख्यमंत्री साय ने दी बधाई

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) की सिविल सेवा परीक्षा 2025 में सफलता प्राप्त करने वाले छत्तीसगढ़ के सभी अभ्यर्थियों को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएँ दी हैं। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि प्रदेश के प्रतिभाशाली युवाओं ने अपनी मेहनत, लगन और दृढ़ संकल्प के बल पर यह उपलब्धि हासिल कर पूरे छत्तीसगढ़ का गौरव बढ़ाया है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने वैभवी अग्रवाल, दशर्ना सिंह बघेल, डायमंड सिंह ध्रुव, रौनक अग्रवाल और संजय डहरिया को उनकी उल्लेखनीय सफलता के लिए बधाई दी है। उन्होंने कहा कि इन होनहार बेटे-बेटियों की उपलब्धि प्रदेश के युवाओं के लिए प्रेरणादायक है और यह दिखाती है कि निरंतर परिश्रम और लक्ष्य के प्रति समर्पण से किसी भी ऊँचाई को प्राप्त किया जा सकता है।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने सभी सफल अभ्यर्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि उनकी उपलब्धि छत्तीसगढ़ के युवाओं को बड़े लक्ष्य निर्धारित करने और उन्हें हासिल करने के लिए प्रेरित करती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि इन युवाओं की सफलता केवल व्यक्तिगत उपलब्धि नहीं है, बल्कि यह प्रदेश के लाखों विद्यार्थियों के सपनों को नई ऊर्जा और दिशा देने वाली प्रेरणा है। उन्होंने आशा व्यक्त की कि ये सभी प्रतिभाशाली युवा प्रशासनिक सेवाओं में रहते हुए पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ जनसेवा करेंगे तथा राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान देंगे।

निगम कोष में राशि जमा न करने पर प्रभारी सहायक निरीक्षक और सहायक राजस्व निरीक्षक सस्पेंड

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

नगर पालिक निगम दुर्ग के आयुक्त सुमित अग्रवाल ने राजस्व वसूली में अनियमितता एवं निगम कोष में राशि जमा नहीं करने के मामले में सख्त कारवाई करते हुए दो कमचारियों को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार (सहायक ग्रेड–03) प्रभारी सहायक निरीक्षक संकेत धमकार द्वारा अपने प्रभार वार्ड से वसूल की गई 32,336 रुपये की राशि निगम कोष में जमा नहीं करने पर 21 जनवरी 2026 को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया था।

इसके बाद केशबुक मिलान में कुल 2,53,383 रुपये निगम कोष में जमा नही किया जाना पाया गया, जिसके संबंध में 24 फरवरी 2026 को अंतिम चेतावनी पत्र भी जारी किया गया था। निर्धारित समयावधि तक राशि जमा नहीं करने तथा रसीद बुक से वसूली गई राशि समय पर निगम कोष में जमा नहीं किए जाने को कदाचार की श्रेणी में मानते हुए छत्तीसगढ़ सिविल (वर्गीकरण, नियंत्रण तथा अपील) नियम 1966 के नियम 9(1) के तहत आयुक्त ने संकेत धमकार को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। निलंबन अवधि में उनका मुख्यालय जलगृह विभाग निर्धारित किया गया है तथा बिना विभागीय अनुमति के मुख्यालय छोड़ने की अनुमति नहीं होगी।

इसी प्रकार सहायक राजस्व निरीक्षक विवेक सालवनकर द्वारा अपने प्रभार वार्ड से वसूल की गई 36,586 रुपये की राशि निगम कोष में जमा नहीं करने के कारण 21 जनवरी 2026 को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया था। केशबुक मिलान के बाद 91,383 रुपये निगम कोष में जमा करने हेतु 24 फरवरी 2026 को अंतिम चेतावनी पत्र जारी किया गया, किन्तु निर्धारित समयावधि के बावजूद राशि जमा नहीं की गई। इसे कदाचार मानते हुए छत्तीसगढ़ सिविल (वर्गीकरण, नियंत्रण तथा अपील) नियम 1966 के नियम 9(1) के तहत आयुक्त द्वारा विवेक सालवनकर को भी तत्काल प्रभाव से निलंबित किया गया है। निलंबन अवधि के दौरान उनका मुख्यालय स्वास्थ्य विभाग रहेगा तथा बिना विभागीय अनुमति के मुख्यालय छोड़ने की अनुमति नहीं होगी।

खास खबर

2 अप्रैल को होगा गोंडवाना महोत्सव व वार्षिक अधिवेशन का आयोजन

दुर्ग। केंद्रीय गोंड महासभा धमधा गढ़ (पंजीयन क्रमांक 332) द्वारा त्रिमूर्ति महामाया बूढ़ा देव मंदिर, धमधा गढ़ में आगामी 2 अप्रैल को वार्षिक अधिवेशन एवं गोंडवाना महोत्सव का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम में समाज के लोगों की बड़ी संख्या में भागीदारी होने की संभावना है।

आयोजन समिति के अनुसार कार्यक्रम के मुख्य अतिथि छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय होंगे, जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता कैबिनेट मंत्री रामविचार नेताम करेंगे। महोत्सव के माध्यम से समाज की संस्कृति, परंपरा और सामाजिक एकता को मजबूत करने का संदेश दिया जाएगा। कार्यक्रम के आमंत्रण अवसर पर केंद्रीय गोंडवाना समाज धमधा गढ़ के अध्यक्ष एम.डी. ठाकुर, कोषाध्यक्ष सीताराम ठाकुर, सलाहकार राजकुमार ठाकुर, अधिवक्ता रमेश साहू, जीवन दीप समिति के आजीवन सदस्य दिलीप ठाकुर सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे। समाज के पदाधिकारियों ने क्षेत्र के लोगों से कार्यक्रम में अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर आयोजन को सफल बनाने की अपील की है।

महिलाएं यदि ठान ले तो कोई भी कार्य कठिन नहीं : लखपति दीदी ज्ञानेश्वरी निषाद

राजनांदगांव। जिले की हुनरमंद महिलाएं सफलता के क्षितिज छू रही है और अपने आत्मविश्वास एवं हौसले से आर्थिक रूप से सशक्त हो रही हैं। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन बिहान से उन्हें एक राह और ताकत मिली। जिले में संचालित राज बिहान रसोई शहर में परंपरागत छत्तीसगढ़ी व्यंजनों का लोकप्रिय ठिहा है। इसकी संचालक प्रतिज्ञा महिला स्वसहायता समूह की लखपति दीदी ज्ञानेश्वरी निषाद ने कहा कि महिलाएं यदि ठान ले तो कोई भी कार्य कठिन नहीं है, सोचे नहीं थे कि छोटे से स्तर पर प्रारंभ किया गया यह व्यवसाय इतना बढ़ जायेगा।

उन्होंने खुशी जाहिर करते हुए बताया कि आर्थिक तौर पर आत्मनिर्भर होने से उनकी अपनी अलग एक पहचान बनी है। उन्होंने बताया कि राज बिहान रसोई में खुबसूरत सजावट किया गया है। यहां छत्तीसगढ़ पकवानों के लिए निरंतर आर्डर मिल रहे हैं, जिससे कार्य में मन लग गया है। समय पर आर्डर पूरा करना चुनौतीपूर्ण है, लेकिन सभी महिलाएं एक साथ मिलकर मेहनत से कार्य कर रही हैं। राज बिहान रसोई में विभिन्न तरह के छत्तीसगढ़ी व्यंजन चीला, बड़ा, फरा, चौसेला, मुगोड़ी, साबुदाना बड़ा, अइरसा, ठेठरी, खुर्मी, बालुशाही जैसे स्वादिष्ट छत्तीसगढ़ी पकवान उपलब्ध है। उन्होंने बताया कि प्रतिदिन 15 हजार रूपए से 18 हजार रूपए तक की आमदनी प्राप्त हो रही है। माह में लगभग 35 हजार से 40 हजार रूपए मासिक आमदनी हो रही है। कलेक्टोरेट परिसर में स्थापित राज बिहान रसोई में जनमानस जायकेदार व्यंजनों का लुफ्त उठाने प्रतिदिन पहुंच रहे हैं।

ज्ञानेश्वरी निषाद ने बताया कि समूह से जुड़ने के पहले वे खेती–किसानी के कार्यों में परिवार की मदद करती थी और आर्थिक स्थिति ठीक नहीं थी। अपनी आय में बढ़ोत्तरी के लिए वे गांव में सामाजिक कार्यों में भोजन बनाने का कार्य मजदूरी में करती थी। कार्य में वृद्धि होने से उन्हें आर्डर प्राप्त होने लगे और उन्होंने बिहान से जुड़कर ऋण लेकर यह व्यवसाय प्रारंभ किया। उन्होंने बताया उनकी टीम में शामिल प्रत्येक सदस्य लखपति दीदी की श्रेणी में शामिल हो गए हैं। भविष्य में उनका यह सपना है कि टीम के सभी सदस्य और अधिक आर्थिक एवं सामाजिक रूप से सशक्त हो और राज बिहान रसोई के और भी ब्रांच हो। उन्होंने बताया कि बचत होने पर अपने घर के लिए मिक्सी एवं फ्रिज खरीदा है और कुछ दिनों पहले 50 हजार रूपए की राशि से अपने लिए सोने के झुमके खरीदे हैं। ज्ञानेश्वरी निषाद ने बताया कि राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन बिहान से उन्हें बहुत मदद मिली। उत्साहवर्धन हेतु स्थानीय स्तर के शासकीय एवं अशासकीय मेला एवं मड़ई में कैटरिंग कार्य हेतु भेजा गया।

अमेरिका से ट्रेड डील के विरोध में किसान निकालेंगे जागृति यात्रा

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

छत्तीसगढ़ प्रगतिशील किसान संगठन की नगपुरा बैठक में अमेरिका के साथ ट्रेड डील के विरोध में किसान जागृति यात्रा निकालने का निर्णय लिया गया है यात्रा 9 मार्च से 13 अप्रैल के बीच हर सप्ताह में एक यात्रा निकाली जायेगी, यात्रा के मार्ग के गांव में किसानों से चर्चा की जायेगी और उन्हें ट्रेड डील से कृषि और किसानों पर होने वाले नुकसान दायी प्रभाव के बारे में बताया जायेगा और पर्चे भी वितरित किए जाएंगे

ट्रेड डील के विरोध में 9 मार्च को दुर्ग में किसानों का प्रदर्शन

ट्रेड डील के विरोध में सोमवार 9 मार्च को दुर्ग में गांधी प्रतिमा के पास किसानों द्वारा प्रदर्शन किया जायेगा और कलेक्टर के माध्यम से प्रधानमंत्री को ज्ञापन देकर ट्रेड डील रद्द करने की मांग की जायेगी, पहली किसान जागृति यात्रा सोमवार 16 मार्च को दुर्ग से लिटिया के लिए आयोजित किया जाएगा

9 मार्च से 13 अप्रैल के बीच आयोजित किया जाने वाले किसान जागृति यात्रा दुर्ग जिले के तीनों विकासखण्ड में जायेगी, यात्रा का समापन 13 अप्रैल को दुर्ग में किया जायेगा। बैठक में लिए गए निर्णय के अनुसार किसान जागृति यात्रा के दौरान स्वामीनाथन आयोग के फार्मूले सी 2 लागत मूल्य में 50% लाभ जोड़कर कृषि उपजों का एमएसपी निर्धारित करने, एम एस पी के लिए कानूनी गारंटी प्रदान करने, फसल बीमा योजना में असिंचित धान के लिए 16 क्विंटल और सिंचित धान के लिए 20 क्विंटल प्रति एकड़ निर्धारित करने और केसीसी ऋण लेने पर किसानों की कृषि भूमि को बंधक न बनाये जाने जैसे मुद्दों को भी उठाया जायेगा बैठक में पंचराम, पल्टन यादव, नेतराम देशमुख, देवशरण साहू, राजकुमार यादव, सुमिरन गुप्ता, पुनेश्वर साहू, बंशीलाल देवांगन, मेघराज मड़रिया, बद्री प्रसाद पारकर, परमानंद यादव, संतुलाल पटेल, बाबूलाल साहू, उत्तम चंद्राकर, आई के वर्मा, राजकुमार गुप्त आदि शामिल रहे।

अपोलो महाविद्यालय में ह्यविकसित भारत युवा संसद का हुआ आयोजन, प्रतिभागियों ने रखे अपने विचार

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

विकसित भारत @ 2047 की परिकल्पना को साकार करने की दिशा में युवाओं को मंच प्रदान करते हुए अपोलो महाविद्यालय में विकसित भारत युवा संसद 2026 का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम युवाओं को राष्ट्रीय मुद्दों पर अपने विचार रखने, नेतृत्व क्षमता विकसित करने और नीति निर्माण से जुड़ी चर्चाओं में भागीदारी के लिए प्रेरित करने का एक महत्वपूर्ण मंच साबित हुआ।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की दूरदर्शी सोच से प्रेरित इस पहल के तहत आयोजित कार्यक्रम में विभिन्न महाविद्यालयों के प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और खुले मंच से अपने विचार अभिव्यक्त किए। युवाओं ने विकसित भारत के निर्माण में शिक्षा, नवाचार, रोजगार और सामाजिक सहभागिता जैसे विषयों पर अपनी राय रखी।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. भूपेंद्र कुलदीप (रजिस्ट्रार, हेमचंद यादव विश्वविद्यालय, दुर्ग) रहे। वहीं विशिष्ट अतिथि के रूप में सरस्वती बंजारे (जिला पंचायत अध्यक्ष, भाजपा), नितिन शर्मा (डिप्टी डायरेक्टर, माई भारत) तथा आर.पी. अग्रवाल (पूर्व प्राचार्य, कल्याण स्नातकोत्तर महाविद्यालय भिलाई) एवं पूर्व एनएसएस समन्वयक) उपस्थित रहे। कार्यक्रम के आयोजन में जैनेन्द्र दीवान (एनएसएस संयोजक, हेमचंद यादव विश्वविद्यालय, दुर्ग) का विशेष योगदान रहा।

निर्णायक मंडल में डॉ. दिप्ती संतोष (शिक्षा विभागाध्यक्ष, सेंट थॉमस कॉलेज भिलाई), डॉ. एन. पापा राव (सहायक प्राध्यापक, कल्याण स्नातकोत्तर महाविद्यालय भिलाई), नीमिशा सिंह (फाउंडर, एल.आई.एम.ई. सोशल एडवोकेट), श्रीमती मिथिला किचारिया तथा भूवेश शर्मा (फाउंडरी मेंबर, कैरियर–9) शामिल रहे।

कार्यक्रम के अंत में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र–छात्राओं को पुरस्कृत किया गया। चयनित प्रतिभागियों में योगिनी देवांगन, कृष्णा के. एम., दीपांशु नेताम, नुपूर संजना और वाणी देवांगन शामिल हैं। अपोलो कॉलेज के संचालक डॉ. मनीष जैन, संजय अग्रवाल एवं आशीष अग्रवाल ने सभी चयनित प्रतिभागियों को बधाई देते हुए राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए अग्रिम शुभकामनाएं दीं।

7 को होगा रोजगार, चावल महोत्सव व आवास दिवस का संयुक्त आयोजन

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

कलेक्टर अभिजीत सिंह एवं जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी बजरंग कुमार दुबे के मार्गदर्शन में छत्तीसगढ़ शासन के निर्देशानुसार जिले की सभी 300 ग्राम पंचायतों में प्रत्येक माह की 07 तारीख को रोजगार दिवस, चावल महोत्सव और आवास दिवस का संयुक्त आयोजन किया जाएगा। इसी क्रम में 07 फरवरी को जिले की समस्त ग्राम पंचायतों तथा मनरेगा कार्यस्थलों पर रोजगार दिवस का आयोजन किया जाएगा।

इस अवसर पर ग्रामीणों को विकसित भारत–जी राम जी अधिनियम 2025 के प्रावधानों की जानकारी दी जाएगी। साथ ही प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के अंतर्गत स्वीकृत आवासों के निर्माण कार्यों को निर्धारित समय–सीमा में पूरा कराने, हितग्राहियों में जन–जागरूकता बढ़ाने और निर्माण में आ रही समस्याओं के समाधान के लिए विशेष प्रयास किए जाएंगे।

जनपद स्तरीय अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि रोजगार दिवस और आवास दिवस का आयोजन सभी ग्राम पंचायतों में अनिवार्य रूप से सुनिश्चित करें, ताकि शासन की मंशा के अनुरूप पात्र हितग्राहियों को समय पर पक्का आवास उपलब्ध कराया जा सके।

आवास दिवस के दौरान प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के हितग्राहियों को आवास निर्माण कार्य शीघ्र पूर्ण करने के लिए प्रेरित किया जाएगा। कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों, पंचायत पदाधिकारियों और ग्रामीण हितग्राहियों को योजनाओं की जानकारी क्यूआर कोड स्कैन प्रणाली के माध्यम से प्रदान की जाएगी। ग्राम पंचायतों में चस्पा किए गए क्यूआर कोड को स्कैन कर श्रमिकों और ग्रामीणों को विभिन्न योजनाओं तथा उनके प्रावधानों की जानकारी प्राप्त होगी।

इसके साथ ही आजीविका डबरी निर्माण एवं जल संरक्षण कार्यों की विशेषताओं के बारे में जानकारी देते हुए ग्रामीणों को योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ लेने के लिए प्रेरित किया जाएगा। इस नवाचारी पहल के तहत ग्रामीणों को रोजगार और आवास से संबंधित सुविधाएं एक ही मंच पर उपलब्ध कराई जाएंगी।

जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी ने बताया कि इस संयुक्त आयोजन का उद्देश्य ग्रामीणों को विकसित भारत–जी राम जी तथा प्रधानमंत्री आवास योजना की विस्तृत जानकारी देना, योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ दिलाना और उनसे संबंधित समस्याओं का त्वरित निराकरण सुनिश्चित करना है।

आवास दिवस के दौरान ग्राम पंचायत स्तर पर पात्र हितग्राहियों की सूची का वाचन, नए स्वीकृत आवासों के प्रमाण पत्रों का वितरण तथा आवास निर्माण से जुड़ी तकनीकी और प्रशासनिक समस्याओं का समाधान किया जाएगा। साथ ही हितग्राहियों को समय–सीमा में आवास निर्माण पूर्ण करने के लिए प्रेरित किया जाएगा।

कार्यक्रम के दौरान ई–केवाईसी, लंबित किस्तों के भुगतान तथा 90 दिवस की अकुशल मजदूरी राशि से जुड़े मामलों का मौके पर ही प्राथमिकता के आधार पर निराकरण किया जाएगा। इसके अलावा आवास निर्माण कार्यों में सामग्री की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए स्व–सहायता समूहों के माध्यम से मटेरियल बैंक की स्थापना भी की जाएगी।

सत्तीचौरा दुर्गा मंदिर में धूमधाम से मनाया जावेगा चैत्र नवरात्र पर्व

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

श्री सत्तीचौरा माँ दुर्गा मंदिर समिति की आवश्यक बैठक आयोजित की गयी जिसमें इस वर्ष चैत्र नवरात्र पर्व एवं मंदिर का 16 वाँ वार्षिकोत्सव बड़े धूमधाम से मानते हुए 19 मार्च से 27 मार्च तक विशेष आयोजन किया जावेगा। प्रतिवर्ष चैत्र नवरात्र पर्व पर सत्तीचौरा मां दुर्गा मन्दिर का वार्षिक उत्सव भी बड़े धूमधाम से मनाया जाता है, आयोजन को सफल बनाने एवं कार्यक्रम की रूपरेखा बनाने हेतु समिति की आवश्यक बैठक दुर्गा मंदिर में आयोजित की गयी। जिसमें सर्वसम्मति से इस वर्ष चैत्र नवरात्र पर्व एवं 16 वा वार्षिक उत्सव बड़े धूमधाम से बनाने का निर्णय लिया गया।

समिति के विजय गुप्ता पिंकी ने बताया कि शहर के प्रसिद्ध श्री सत्तीचौरा माँ दुर्गा मंदिर में, गंजपारा, दुर्ग में हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी ज्योति कलश की स्थापना की जाएगी। जिसकी बुकिंग प्रारंभ कर दी गई है। मंदिर परिसर में पूरे देश के विभिन्न शहरों एवं प्रदेशों से धर्मप्रेमियों द्वारा ज्योति कलश यहां पर रखी जाती है, सत्तीचौरा माँ दुर्गा मंदिर में प्रत्येक नवरात्रि में लगभग 400 से अधिक ज्योति कलश की स्थापना की जाती है, ज्योति कलश की बुकिंग मन्दिर परिसर में 15 मार्च तक होगी, ज्योति कलश की बुकिंग मंदिर परिसर में की जा रही है।

19 से 27 मार्च तक चैत्र नवरात्र पर्व में इस वर्ष मन्दिर का 16 वां वार्षिक उत्सव बनाया जावेगा। जिसमें आकर्षित लाइट, टेंट एवं फूल से साज सज्जा कराई जा रही है, इसके साथ साथ फूल की आकर्षित साज–सज्जा कलकत्ता के मशहूर कलाकरों द्वारा की जा रही है।

समिति के सदस्य मनोज गुप्ता लाला ने बताया कि 19 मार्च से 27 मार्च तक माँ दुर्गा मंदिर प्रतिदिन प्रातः 9 बजे माता जी का महाभिषेक किया जावेगा, जो धर्मप्रेमियों द्वारा परिवार सहित उपस्थित होकर किया जावेगा, माता जी के अभिषेक हेतु मन्दिर परिसर में बुकिंग चालू है।

ज्ञात हो कि छोटी छोटी बालिकाओं को कन्या माता के रूप में पूजा जाये, बेटी पढ़ाओ बेटी बचाओ एवं कन्या भ्रूण हत्या बंद हो इस आह्वान को लेकर विगत कई वर्षो से श्री सत्तीचौरा माँ दुर्गा मंदिर, गंजपारा, दुर्ग में प्रतिवर्ष चैत्र एवं क्वार नवरात्र पर्व में छत्तीसगढ़ का सबसे बड़ा कन्या का आयोजन किया जाता है। इस वर्ष कन्या भोज का आयोजन एक दिवस आयोजित न करते हुए पूरे 9 दिवस तक आयोजित होगा, जिसमें प्रतिदिन कन्या माताओं का पूजन कर कन्या भोज करवाया जायेगा।

मन्दिर के 16 वे वार्षिक उत्सव के अवसर पर भजन संध्या, मंगलपाठ, जोड़े से सुन्दर कांड एवं जसगीत का आयोजन होगा जिसमें छत्तीसगढ़ के प्रसिद्ध भजन एवं जस गायकों द्वारा प्रस्तुति दी जावेगी, इसके साथ साथ इस वर्ष पूरे शहर में भ्रमण करने हेतु माता जी की विशाल एवं ऐतहासिक पालकी यात्रा निकाली जावेगी, जिसमें छत्तीसगढ़ एवं अन्य राज्यों से विभिन्न प्रकार के बैन्ड बाजा, नाचा पार्टी बुलाई जा रही है, जिसकी तैयारी की जा रही है।

बैठक में अजय शर्मा अशोक राठी महेश टावरी प्रवीण भूतड़ा राजेश शर्मा दीपक चावड़ा मनोज भूतड़ा सुरेश गुप्ता कुलेश्वर साहू पिंकी गुप्ता मनोज गुप्ता लाला राहुल शर्मा ललित शर्मा निर्मल शर्मा ओमप्रकाश टावरी चेतन जैन मनीष सेन हर्षद पारख सुजल शर्मा श्रीकांत उपाध्याय ऋषि गुप्ता, मोहित पुरोहित सोंटी गुप्ता नमन खंडेलवाल प्रकाश सिन्हा लक्की अग्रवाल वाशु शर्मा सोनल सेन एवं समिति के अन्य सदस्य उपस्थित थे।

भानपुरी में आधुनिक तकनीक और बुनियादी ढांचे का अनूठा संगम हेल्थ एटीएम का शुभारंभ

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

बस्तर के विकास और जन-सुविधाओं की दिशा में शुक्रवार को नई शुरुआत हुई, जहाँ आधुनिक तकनीक और बुनियादी ढांचे का अनूठा संगम देखने को मिला। क्षेत्र के स्वास्थ्य परिदृश्य को पूरी तरह बदलने के उद्देश्य से बस्तर जिले में हेल्थ एटीएम सेवा का ऐतिहासिक शुभारंभ किया गया है। वन मंत्री केदार कश्यप ने भानपुरी स्थित सिविल अस्पताल में इस हाईटेक स्वास्थ्य सुविधा का लोकार्पण किया। इस अवसर पर बस्तर सांसद महेश कश्यप तथा अन्य जनप्रतिनिधि भी मौजूद रहे। उन्होंने क्षेत्रवासियों को 36.50 लाख रूपए के निर्माण कार्यों की सौगात देते हुए ग्राम राजपुर और खड़का में विभिन्न परियोजनाओं का भूमिपूजन किया।

वन मंत्री केदार कश्यप ने कहा कि यह हेल्थ एटीएम बस्तर के दूरस्थ अंचलों के लिए किसी संजीवनी से कम नहीं है, क्योंकि अब ग्रामीणों को छोटी-बड़ी जांचों के लिए बड़े शहरों के चक्कर नहीं काटने पड़ेंगे। इस अत्याधुनिक मशीन के माध्यम से नागरिक ब्लड प्रेशर, शुगर, ईसीजी और ऑक्सीजन लेवल सहित 100 से अधिक प्रकार की स्वास्थ्य जांचें तत्काल करवा सकेंगे। उन्होंने कहा कि सबसे क्रांतिकारी पहलू यह है कि यह मशीन महिलाओं में ब्रेस्ट कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों की शुरुआती पहचान करने में सक्षम है, जिससे समय रहते उपचार संभव हो सकेगा। इसके साथ ही, टेलीमेडिसिन सुविधा के जरिए मरीज सीधे विशेषज्ञ डॉक्टरों से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग कर परामर्श ले सकेंगे और उनकी पूरी मेडिकल रिपोर्ट मोबाइल ऐप पर डिजिटल रूप में सुरक्षित रहेगी। स्वास्थ्य क्षेत्र में इस डिजिटल क्रांति के साथ-साथ नारायणपुर विधानसभा क्षेत्र में विकास का शंखनाद भी गूँजा।

कनेक्टिविटी को प्राथमिकता देते हुए वनमंत्री श्री कश्यप ने सालेमेटा और राजपुर सरगीगुड़ा में नई सीसी सड़कों की आधारशिला रखी गई, जो ग्रामीणों को कीचड़ और दुर्गम रास्तों से स्थायी निजात दिलाएंगी। इसके अलावा तिरथा, सुधापाल और खड़का में नई पुलियों के निर्माण से मानसून के दौरान होने वाले जलभराव की समस्या का समाधान होगा और ग्रामीण क्षेत्रों का संपर्क मुख्य मार्गों से बना रहेगा। सामाजिक समरसता को बढ़ावा देने के लिए घोटिया दुलारदई गुड़ी में एक नवीन सामुदायिक भवन के निर्माण का मार्ग भी प्रशस्त हुआ है। इन सभी विकास कार्यों और आधुनिक स्वास्थ्य सुविधाओं के एकीकृत प्रयासों ने बस्तर में हर्ष और उत्साह का माहौल पैदा कर दिया है। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती वेदवती कश्यप, पूर्व सांसद दिनेश कश्यप, छत्तीसगढ़ राज्य अनुसूचित जनजाति आयोग के अध्यक्ष रूपसिंह मंडावी, जनपद पंचायत अध्यक्ष संतोष बघेल, जिला पंचायत सदस्य निर्देश दीवान सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण एवं बड़ी संख्या में क्षेत्रवासी ग्रामीण उपस्थित थे।

खास खबर

भारत की समृद्ध विरासत ही हमारी ताकत - राज्यपाल रमेन डेका

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

भारत की समृद्ध विरासत हमारी सबसे बड़ी ताकत है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रेरणा से प्रारंभ हुआ एक भारत श्रेष्ठ भारत अभियान इसी एकता और सांस्कृतिक समृद्धि का सशक्त प्रतीक है। राज्यपाल रमेन डेका ने लोकभवन में आज 5 राज्यों के स्थापना दिवस समारोह पर उक्त विचार व्यक्त किए। राज्यपाल ने असम, मणिपुर, मेघालय, त्रिपुरा और उत्तरप्रदेश के स्थापना दिवस के अवसर पर कहा कि यह पहल केवल सांस्कृतिक आदान-प्रदान नहीं, बल्कि भावनात्मक एकीकरण का माध्यम है।

केन्द्र सरकार के एक भारत-श्रेष्ठ भारत कार्यक्रम के तहत विविधता में एकता की भावना को बढ़ावा देने के लिए सभी राज्य एक दूसरे का स्थापना दिवस मनाते है। इसी कड़ी में आज लोकभवन के छत्तीसगढ़ मण्डपम में इन राज्यों का स्थापना दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। राज्यपाल श्री डेका ने कहा कि असम भारत के उत्तर-पूर्व में स्थित है और अपनी प्राकृतिक सुंदरता और संस्कृति के लिए प्रसिद्ध है। असम टी पूरी दुनिया में सबसे ज्यादा पसंद की जाने वाली चायों में से एक है। असम में स्थित काजीरंगा नेशनल पार्क में दुनिया के लगभग दो-तिहाई एक-सींग वाले गैंडे पाए जाते हैं। असम का प्रसिद्ध बिहू त्यौहार है। गुवाहाटी में स्थित कामाख्या मंदिर भारत के प्रमुख शक्तिपीठों में से एक है।

राज्यपाल ने कहा कि मणिपुर शाब्दिक अर्थों में आभूषणों की भूमि है। यहां के लोग संगीत तथा कला में बड़े प्रवीण होने के साथ-साथ सृजनशील होते हैं, जो उनकी हथकरघा, दस्तकारी के उत्पादों में झलकती है। मणिपुर देश का आर्किड टोकरी है। श्री डेका ने कहा कि मेघालय एक प्रसिद्ध पर्यटन राज्य है। जहां की मुख्य जनजातियां मातृवंशीय प्रणाली का अनुसरण करती है। मेघालय को बादलों का घर कहा जाता है। राज्यपाल ने कहा कि हमारे पूर्वोत्तर राज्य त्रिपुरा का उल्लेख महाभारत, पुराणों तथा अशोक के शिलालेख में मिलता है। इस राज्य की अपनी अनोखी जनजातीय संस्कृति तथा दिलचस्प लोकगाथाएं है। देवी त्रिपुरा सुंदरी का प्रसिद्ध शक्ति पीठ भक्तों की आस्था का केंद्र है।

श्री डेका ने कहा कि उत्तरप्रदेश, भारत के सबसे बड़े राज्यों में से एक है। यह भगवान श्रीराम और श्रीकृष्ण की जन्मभूमि है। भगवान बुद्ध ने अपना पहला उपदेश सारनाथ में दिया और बौद्ध धर्म की नींव रखी। विश्व के प्रसिद्ध पर्यटन स्थलों में से एक ताजमहल भी यहीं पर है। प्रयागराज में महाकुंभ होता है। राज्यपाल ने सभी राज्यों को स्थापना दिवस की बधाई देते हुए कहा कि भारत की एकता और अखंडता ही हमें आत्मनिर्भर और सशक्त राष्ट्र बनाने की दिशा में प्रेरित करती है। उन्होंने लोगों से कहा कि जीवन मे एक काम ऐसा करें जिसमें ट्रांजेक्शन नहीं हो केवल ट्रांसफार्मेशन हो। समारोह में राज्यों के प्रतिनिधियों ने अपने राज्यों की विशेषताओं, परंपरा, संस्कृति पर प्रकाश डाला। समारोह में विभिन्न विश्वविद्यालयों के छात्र-छात्राओं ने सभी राज्यों के सांस्कृतिक कार्यक्रमों की रंगारंग प्रस्तुति दी। विभिन्न राज्यों के प्रतिनिधियों को राज्यपाल ने राजकीय गमछा और स्मृति चिन्ह भेंट किया। उन्होंने भी राज्यपाल को अपने राज्य की ओर से स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। कार्यक्रम में राज्यपाल के सचिव डॉ. सी. आर प्रसन्ना सहित अन्य अधिकारी एवं इन सभी राज्यों के युवा, महिलाएं एवं गणमान्य नागरिक बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

शासकीय स्कूलों के बुनियादी सुविधाओं के विकास के लिए संकल्पित होकर कार्य कर रही सरकार : मंत्री देवांगन

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

शासकीय स्कूलों की बुनियादी सुविधाओं के लिए संकल्पित होकर कार्य कर रहे कोरबा नगर विधायक एवं छत्तीसगढ़ शासन के कैबिनेट मंत्री लखन लाल देवांगन ने आज शुक्रवार को 32 विद्यालयों में बालक बालिका शौचालय निर्माण और 21 विद्यालयों में किचन शेड निर्माण कार्य समेत 3.08 करोड़ के विभिन्न विकास कार्यों का भूमिपूजन किया।

कोरबा विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत दर्री जोन के शासकीय स्कूल अगारखार के पास आयोजित भूमि पूजन कार्यक्रम में मंत्री लखन लाल देवांगन और महापौर श्रीमती संजू देवी राजपूत समेत अन्य अतिथि गणों ने विधिवत भूमिपुजन एवं शिलान्यास किया।

भूमि पूजन कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि, कैबिनेट मंत्री श्री देवांगन ने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के सुशासन में प्रदेश की शिक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ और सुसज्जित करने की दिशा में निरंतर ठोस कदम उठाए जा रहे हैं। उनके नेतृत्व में प्राथमिक से लेकर उच्चतर माध्यमिक स्तर तक की शैक्षणिक संस्थाओं में अधोसंरचना को उन्नत करने पर विशेष बल दिया जा रहा है। जिला खनिज न्यास मद से शासकीय स्कूलों के नवीन भवन निर्माण, बालक-बालिकाओं के लिए अलग-अलग शौचालय, किचन शेड, सुरक्षा हेतु बाउंड्रीवॉल का निर्माण तेजी से कराए जा रहे हैं। इसी तरह इसी तरह कोसाबाड़ी जोन अंतर्गत सरस्वती शिशु मंदिर सीएसईबी कोरबा में आयोजित भूमि पूजन कार्यक्रम में मंत्री श्री देवांगन ने कहा कि सुशासन की सरकार में आज कोरबा नगर समेत जिले का सर्वांगीण विकास हो रहा है। जनता की अपेक्षा में खरा उतारते हुए उनकी हर मांग और जरूर को ध्यान में रखते हुए कार्य किए जा रहे हैं।

सरस्वती शिशु मंदिर, बच्चों के अंदर भारत और भारतीयता के प्रति, एक नागरिक के रूप में उन कर्तव्यों का बोध कराने, सुयोग्य नागरिक बनाने हेतु अपने राष्ट्रीय दायित्व का ईमानदारी पूर्वक निर्वहन कर रहा है। यहां से निकले हुए छात्र आज जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में समाज को नेतृत्व देकर 'विकसित भारत' के संकल्प के साथ जुड़कर पूरी प्रतिबद्धता के साथ अपना योगदान दे रहे हैं। मेरा सौभाग्य है कि मुझे विकास कार्य करने का अवसर प्राप्त हुआ है।

इस अवसर पर मध्य क्षेत्र विद्या भारती के उपाध्यक्ष जुडावान सिंह ठाकुर, अशोक तिवारी, कैलाश नाहक, नगर मृगेश यादव, अमृतलाल, नागेंद्र सिंह, धीरेंद्र सिंह, स्कूल के व्यवस्थापक जोगेश लांबा, पार्षद अशोक चावलानी, पंकज देवांगन, नरेंद्र देवांगन, हीतानंद अग्रवाल, राकेश वर्मा, चंद्रलोक सिंह, श्रीमती ममता यादव, राम कुमार साहू, स्कूल के प्राचार्य राजकुमार देवांगन, अध्यक्ष नानजी भाई पटेल, सभापति नूतन सिंह ठाकुर, पार्षद विन्नम तिवारी, मुकुंद सिंह कंवर, सरोज शांडिल्य, फिरत साहू, रतन कंवर, अजय चंद्रा, सहित गणमान्य नागरिक मौजूद थे।

इस अवसर पर महापौर श्रीमती संजू देवी राजपूत ने कहा कि विष्णुदेव सरकार आज विकास के हर पैमाने पर 100 फीसदी खरा उतरते हुए कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के कुशल नेतृत्व और उद्योग मंत्री लखन लाल देवांगन के मार्गदर्शन में मूलभूत सुविधाओं सीसी रोड, नाली, पेयजल, सफाई, स्कूलों एवं आंगनबाड़ी केंद्रों के नए भवन के निर्माण तेजी से हो रहे हैं। शहर के 10 नालों को जोड़कर एसटीपी प्लांट से पानी को ट्रीटमेंट करने की योजना पर तेजी से काम चल रहा है।

भूमि पूजन कार्यक्रम में स्थाइजनों ने भी विष्णुदेव सरकार एवं मंत्री श्री देवांगन के इस पहल को लेकर आभार व्यक्त किया और सरकार के प्रयासों की सराहना की। नागरिकों ने कहा कि शौचालय नहीं होने से स्कूली बच्चों को बहुत परेशानी हो रही थी। लोगों ने शिक्षा के क्षेत्र में इस तरह की योजनाओं को लेकर सरकार के प्रयासों की सराहना की। क्षेत्र के बच्चों को सर्व सुविधा स्कूलों में उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा प्राप्त होगी, जिससे उनका भविष्य उज्जवल होगा।

नगर पालिक निगम कोरबा क्षेत्रांतर्गत दर्री जोन के 32 शासकीय विद्यालयों में बालक-बालिका शौचालय निर्माण (लागत 1 करोड़ 60 लाख रुपए) तथा दर्री जोन अंतर्गत 21 शासकीय स्कूलों में किचन शेड निर्माण कार्य (लागत 73 लाख रुपए), कोसाबाड़ी जोन अंतर्गत विभिन्न विकास कार्य वार्ड क्रमांक 19 में सीएसईबी के अंतर्गत सरस्वती शिशु मंदिर विद्यालय में अथिति स्वरूप भवन निर्माण कार्य (लगभग 25 लाख रुपए), वार्ड क्रमांक 22 में रोड निर्माण एवं शेड निर्माण कार्य (10 लाख रुपए), वार्ड क्रमांक 24 नेहरू नगर के मुख्य मार्ग में ग्रीनवेल्ट निर्माण कार्य (30 लाख रुपए) तथा वार्ड क्रमांक 21 (पूर्व वार्ड क्रमांक 19) गायत्री यज्ञपीठ सीएसईबी कॉलोनी कोरबा में अतिरिक्त भवन निर्माण एवं जीर्णोद्धार कार्य (लगभग 10 लाख रुपए) शामिल है।

तेन्दूपत्ता संग्रहण से पहले शाखा-कर्तन कार्य के लिए हुई कार्यशाला

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

तेन्दूपत्ता की गुणवत्ता और उत्पादन बढ़ाने के लिए संग्रहण (मार्च-अप्रैल) से पहले फरवरी-मार्च में वैज्ञानिक तरीके से शाखा-कर्तन किया जाता है। इस प्रक्रिया में झाड़ियों की कटाई-छंटाई की जाती है, जिससे नई कोमल पत्तियां (फड़) निकलती हैं, जो बीड़ी उद्योग के लिए उच्च गुणवत्ता वाली होती हैं।

वनमंडलाधिकारी कोरिया ने कहा कि छत्तीसगढ़ में तेन्दूपत्ता को हरा सोना कहा जाता है। यह कार्य ऐसे समय में होता है जब ग्रामीण और संग्राहकों के पास अन्य रोजगार कम होते हैं, इसलिए यह उनके लिए आय का महत्वपूर्ण साधन बनता है। उन्होंने निर्देश दिए कि तेन्दूपत्ता खरीदी का भुगतान साप्ताहिक खरीदी के तीसरे दिन तक अनिवार्य रूप से किया जाए, ताकि संग्राहकों को समय पर लाभ मिल सके। कोरिया वनमंडल अंतर्गत जिला लघु वनोपज सहकारी यूनियन मर्यादित बैकुंठपुर द्वारा तेन्दूपत्ता संग्रहण कार्य से पहले शाखा-कर्तन (बूटा कटाई) के लिए एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। यह कार्यशाला बैकुंठपुर स्थित गेज रोपणी परिसर में आयोजित की गई। इसमें कोरिया वनमंडल के अंतर्गत आने वाली 17 प्राथमिक वनोपज सहकारी समितियों के 16 इकाइयों के फड़मुंशी, प्रबंधक, पोषक अधिकारी, फड़ अभिरक्षक सहित वन विभाग के अधिकारी-कमर्चारी शामिल हुए।

परिक्षेत्र अधिकारी सोनहत जिला कोरिया वनमंडल ने बताया कि शासन के निर्देशानुसार तेन्दूपत्ता संग्रहण से पहले शाखा-कर्तन का कार्य कराया जाता है, जिससे बेहतर गुणवत्ता का पत्ता प्राप्त हो सके। यह कार्य प्राथमिक वनोपज सहकारी समितियों के माध्यम से मार्च के प्रथम और द्वितीय सप्ताह में अनिवार्य रूप से पूरा किया जाएगा। साथ ही फड़मुंशी और फड़ अभिरक्षकों को उनके कर्तव्यों और जिम्मेदारियों की जानकारी भी दी गई। शाखा-कर्तन कार्य के लिए निर्धारित राशि के अनुसार 70 रुपये प्रति मानक बोरा भुगतान किया जाएगा, जिसका भुगतान समिति के पोषक अधिकारी और प्रबंधक द्वारा संयुक्त रूप से कार्य पूरा होने के तुरंत बाद किया जाएगा।

परिक्षेत्र अधिकारी देवगढ़ ने तेन्दूपत्ता बूटा कटाई की तकनीकी जानकारी देते हुए फड़ों के चयन, शाखा-कर्तन की प्रक्रिया, तेन्दूपत्ता तोड़ाई, गड्डी बांधने तथा संग्रहण केंद्र में खरीदी की प्रक्रिया के बारे में विस्तार से बताया। प्राथमिक वनोपज सहकारी समिति पटना के प्रबंधक ने भी तेन्दूपत्ता संग्रहण से लेकर क्रेता को पत्ता सुपुर्द करने की पूरी प्रक्रिया की जानकारी दी। कार्यक्रम में जिला यूनियन कोरिया के अध्यक्ष ने अधिकारियों और कमर्चारियों को उच्च गुणवत्ता का तेन्दूपत्ता संग्रहित करने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर परिक्षेत्र अधिकारी सोनहत अजीत सिंह ने कोरिया वनमंडल की गतिविधियों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि वर्ष 2026 के तेन्दूपत्ता सीजन के लिए वनमंडल की सभी लॉट अग्रिम निवर्तन में पहले ही विक्रय हो चुकी हैं।

इस अवसर पर उप प्रबंध संचालक अखिलेश मिश्रा, तकनीकी अधिकारी सी.पी. पटेल सहित वनमंडल के अधिकारी-कमर्चारी, फड़ अभिरक्षक, फड़मुंशी, समिति के पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि, अग्रिम क्रेता के प्रतिनिधि और स्व.सहायता समूहों के सदस्य उपस्थित रहे।

25 मार्च से 6 अप्रैल तक होगा खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स छग-2026 का होगा आयोजन

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

प्रदेश में खेलों को बढ़ावा देने और जनजातीय अंचलों की प्रतिभाओं को राष्ट्रीय मंच प्रदान करने के उद्देश्य से खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स छत्तीसगढ़-2026 का आयोजन 25 मार्च से 06 अप्रैल 2026 तक किया जाएगा। इस प्रतियोगिता का आयोजन रायपुर, सरगुजा और बस्तर के खेल मैदानों में होगा। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने मंत्रालय महानदी भवन में खेल एवं युवा कल्याण विभाग की समीक्षा बैठक लेकर इस महत्वपूर्ण आयोजन की जानकारी ली।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि युवा ही देश और प्रदेश का भविष्य हैं। राज्य सरकार शिक्षा, रोजगार, कौशल विकास और खेल सहित हर क्षेत्र में युवाओं को आगे बढ़ाने के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स 2026 न केवल वनांचल के खिलाड़ियों की प्रतिभाओं को पहचान देने का मंच बनेगा, बल्कि उन्हें राष्ट्रीय स्तर तक पहुंचाने का सशक्त माध्यम भी सिद्ध होगा।

बैठक में मुख्यमंत्री ने छत्तीसगढ़ क्रीड़ा प्रोत्साहन योजना, प्रदेश में खेल अधोसंरचनाओं की स्वीकृति एवं निर्माण, खेलो इंडिया की केंद्रीय योजनाओं के क्रियान्वयन, खेल अकादमियों की गतिविधियों, खेल अलंकरण, युवा महोत्सव और आगामी कार्ययोजना की भी समीक्षा की। उन्होंने विगत वर्षों में स्वीकृत वृहद एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर की खेल अधोसंरचना परियोजनाओं की जानकारी लेते हुए अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी कार्य निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण किए जाएं और निर्माण कार्यों में गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखा जाए।

उल्लेखनीय है कि भारत सरकार द्वारा प्रथम खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स की मेजबानी छत्तीसगढ़ को प्रदान की गई है। इस आयोजन में कुल 7 प्रतिस्पर्धात्मक और 2 प्रदर्शनात्मक खेल आयोजित किए जाएंगे। रायपुर में तीरंदाजी, फुटबॉल, हॉकी, वेटलिफ्टिंग, स्वीमिंग और कबड्डी (डेमो), सरगुजा में कुश्ती एवं मलखम्ब (डेमो) तथा बस्तर में एथलेटिक्स प्रतियोगिताएं आयोजित होंगी। इस प्रतियोगिता में देश के लगभग 30 राज्यों से करीब 2500 खिलाड़ी और अधिकारी भाग लेंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि बस्तर ओलंपिक में एक लाख 65 हजार से अधिक युवाओं की सहभागिता इस बात का प्रमाण है कि छत्तीसगढ़ नक्सलवाद से मुक्त होकर शांति, विकास और सकारात्मक परिवर्तन की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। जनजातीय अंचलों में खेल प्रतिभाओं की अपार संभावनाएं हैं और राज्य सरकार इन प्रतिभाओं को पहचानकर उन्हें आगे बढ़ाने के लिए निरंतर प्रयास कर रही है।

समीक्षा बैठक में उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव ने कहा कि आने वाले समय में बस्तर और सरगुजा अंचल में भी ओलंपिक स्तर के खेल आयोजनों के माध्यम से राज्य की पहचान राष्ट्रीय स्तर पर और मजबूत होगी। बैठक में मुख्य सचिव विकास शील, मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव सुबोध कुमार सिंह, सचिव राहुल भगत, लोक निर्माण विभाग के सचिव डॉ. कमलप्रीत सिंह, खेल एवं युवा कल्याण विभाग के सचिव यशवंत कुमार, संचालक खेल श्रीमती तनुजा सलाम सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

किसानों के खातों में राशि अंतरण से दोगुनी हुई तिहार की खुशी

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय नगर निगम बिरगांव में आयोजित होली मिलन समारोह में शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने क्षेत्र के नागरिकों को रंगों के इस पावन पर्व की हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए सभी के जीवन में सुख, समृद्धि और खुशहाली की कामना की।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि इस वर्ष होली का उत्साह प्रदेश में और भी अधिक है, क्योंकि राज्य सरकार द्वारा अन्नदाता किसानों के खातों में धान उपार्जन के अंतर की राशि अंतरित की गई है। इससे किसानों के परिवारों में खुशी का माहौल है और त्यौहार की रौनक दोगुनी हो गई है। उन्होंने कहा कि किसान प्रदेश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं और उनकी समृद्धि ही राज्य की समृद्धि का आधार है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि होली का पर्व आपसी प्रेम, भाईचारे और सामाजिक सद्भाव का प्रतीक है। यह त्योहार समाज में एकता, समरसता और सकारात्मक ऊर्जा का संदेश देता है तथा लोगों को एक-दूसरे के और करीब लाने का अवसर प्रदान करता है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह की मंशानुरूप प्रदेश में नक्सलवाद अब समाप्ति की ओर है और बस्तर अंचल में शांति और विकास का नया अध्याय शुरू हो रहा है। राज्य सरकार बस्तर सहित पूरे प्रदेश में शांति, विकास और खुशहाली के लिए निरंतर कार्य कर रही है। समारोह के दौरान मुख्यमंत्री श्री साय ने छत्तीसगढ़ी सांस्कृतिक मंडली द्वारा प्रस्तुत मनमोहक फाग गीत का आनंद लिया। साथ ही विधायक अनुज शर्मा की प्रस्तुति पर उपस्थित लोगों ने भी खूब उत्साह दिखाया। इस दौरान मुख्यमंत्री श्री साय ने पिचकारी चलाकर रंगों की बौछार की और लोगों के साथ होली की खुशियां साझा कीं। इस अवसर पर रायपुर ग्रामीण विधायक मोतीलाल साहू, विधायक पुरंदर मिश्रा, योगेश साहू, निशक्तजन आयोग के अध्यक्ष लोकेश कावड़िया, सीआईडीसी अध्यक्ष राजीव अग्रवाल, छत्तीसगढ़ औषधि पादप बोर्ड के अध्यक्ष विकास मरकाम, उपाध्यक्ष अंजय शुक्ला, छत्तीसगढ़ साहित्य अकादमी के अध्यक्ष शशांक शर्मा, पूर्व विधायक एवं आरडीए अध्यक्ष नंदे साहू, छत्तीसगढ़ राज्य हज कमेटी के अध्यक्ष मिर्जा एजाज बेग, रमेश ठाकुर, भागीरथी यादव, मनोज जोशी सहित बिरगांव नगर निगम के पार्षदगण, स्थानीय जनप्रतिनिधि, नागरिक और बड़ी संख्या में क्षेत्रवासी उपस्थित थे।

संपादकीय

कबूतरी संचार की पुरानी व्यवस्था

ओडिशा पुलिस की यह सेवा अनूठी है। 1946 में, द्वितीय विश्व युद्ध के ठीक बाद, ओडिशा पुलिस ने इसे शुरू किया। सबसे पहले नक्सल प्रभावित कोरापुट जिले में प्रयोग किया गया। धीरे-धीरे यह 38 स्थानों (जिलों, सब-डिवीजनों, सकर्लों और पुलिस स्टेशनों) तक फैल गई। इस सेवा के चरम पर 19 'पिजन लॉफ्ट सक्रिय थे, जहां 1500 से अधिक प्रशिक्षित कबूतर तैनात थे।

आज के डिजिटल युग में जहां व्हाट्सएप, वीडियो कॉल, इंटरनेट और सैटेलाइट फोन से पल भर में संदेश दुनिया के किसी भी कोने में पहुंच जाते हैं, वहां एक प्राचीन संचार माध्यम अभी भी जीवित है झ 'कैरियर पिजन सर्विसइ। यह कोई काल्पनिक कहानी नहीं, बल्कि वास्तविकता है। ओडिशा पुलिस की कैरियर पिजन सर्विस दुनिया की एकमात्र ऐसी पुलिस फोर्स है जो इस विरासत को आज भी संरक्षित रखे हुए है। यह सेवा न सिर्फ इतिहास की याद दिलाती है, बल्कि प्राकृतिक आपदाओं में जब आधुनिक संचार व्यवस्था ध्वस्त हो जाती है, तब एक विश्वसनीय बैकअप के रूप में काम आती है। एक ऐसा माध्यम जो हजारों वर्षों से मानव सभ्यता का अभिन्न अंग रहा है।

'कैरियर पिजनइ या 'होमिंग पिजनइ का इतिहास प्राचीन काल से जुड़ा है। मिस्र में लगभग 3000 ईसा पूर्व से ही कबूतरों को संदेशवाहक के रूप में इस्तेमाल किया जाता था। फारस, यूनान और रोमन साम्राज्य में इनकी व्यापक उपयोगिता थी। यूनानियों ने ओलंपिक खेलों के परिणाम इन कबूतरों के जरिए शहर-दर-शहर पहुंचाए। चंगेज खान ने अपने विशाल साम्राज्य में 'पिजन नेटवर्कइ स्थापित किया। मध्यकाल में यूरोप के युद्धों और मध्य पूर्व के व्यापारियों ने इनका सहारा लिया। भारत में भी यह परंपरा बहुत पुरानी है। चंद्रगुप्त मौर्य के काल में फारसी प्रभाव से 'पिजन पोस्टइ शुरू हुई थी। मुगल और ब्रिटिश काल में पुलिस और सेना दोनों ने इसका इस्तेमाल किया। प्रथम और द्वितीय विश्व युद्ध में 'कैरियर पिजनोंइ ने जान भी बचाई, फ्रांस में 'चेर आमीइ नामक कबूतर ने 194 अमेरिकी सैनिकों की जान बचाई थी। भारत में भी ब्रिटिश काल से पुलिस स्टेशनों के बीच संचार के लिए 'पिजन सर्विसइ चली आ रही थी।

लेकिन आज की बात करें तो ओडिशा पुलिस की यह सेवा अनूठी है। 1946 में, द्वितीय विश्व युद्ध के ठीक बाद, ओडिशा पुलिस ने इसे शुरू किया। सबसे पहले नक्सल प्रभावित कोरापुट जिले में प्रयोग किया गया। धीरे-धीरे यह 38 स्थानों (जिलों, सब-डिवीजनों, सकर्लों और पुलिस स्टेशनों) तक फैल गई। इस सेवा के चरम पर 19 'पिजन लॉफ्टइ सक्रिय थे, जहां 1500 से अधिक प्रशिक्षित कबूतर तैनात थे। हर लॉफ्ट पर एक इंस्पेक्टर, तीन सब-इंस्पेक्टर, एक सहायक सब-इंस्पेक्टर और 35 कांस्टेबल तैनात थे। यह सेवा न सिर्फ सामान्य संचार, बल्कि चुनावों और आपदाओं में भी काम आई। 1976-77 के चुनावों और 1982 के 'फ्लैश फ्लड्सइ में जब सड़कें-ब्रिज बह गए और वायरलेस-टेलीफोन फेल हो गए, तब इन कबूतरों ने सरकारी संदेश पहुंचाए।

सबसे रोचक घटना 13 अप्रैल 1948 की है। तब भारत के प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू संबलपुर, ओडिशा में थे। उन्हें 265 किलोमीटर दूर कटक में तत्काल निर्देश भेजने थे, सुबह 6 बजे नेहरू का हस्तलिखित संदेश लेकर एक 'कैरियर पिजनइ उड़ा। ठीक 11:20 पर, यानी महज 5 घंटे 20 मिनट में, वह कटक पहुंच गया। जब नेहरू खुद कटक पहुंचे तो अपना मूल संदेश और वही कबूतर देखकर दंग रह गए, वे हैरान और प्रसन्न थे। यह घटना ओडिशा पुलिस की 'पिजन सर्विसइ की विश्वसनीयता का जीवंत प्रमाण है।

1954 में दिल्ली में अंतरराष्ट्रीय डाक प्रदशर्नी में इन कबूतरों का प्रदर्शन किया गया। 1989 में तत्कालीन राष्ट्रपति आर। वेंकटरामन जब कटक आए तो इन कबूतरों को देखकर मुग्ध हो गए। 1999 के 'सुपर साइक्लोनइ में जब तटीय इलाकों में संचार लाइनें पूरी तरह ठप हो गईं, तब इन कबूतरों ने लाज रखी। इनकी गति औसतन 55 से 80 किलोमीटर प्रति घंटा होती है। ये एक बार में 400-500 किलोमीटर उड ? की क्षमता रखते हैं। 'बेल्जियन होमरइ नस्ल के ये कबूतर चुंबकीय क्षेत्र का पता लगाकर अपने घोंसले तक आसानी से पहुंच जाते हैं।

2008 में आधुनिक संचार के चलते इसे औपचारिक रूप से बंद कर दिया गया। लेकिन ओडिशा पुलिस ने इसे पूरी तरह खत्म नहीं होने दिया। मुख्यमंत्री नवीन पटनायक के आदेश पर दो 'लॉफ्टइ अभी भी बरकरार रखे गए, एक कटक में ओडिशा पुलिस मुख्यालय पर 105 'बेल्जियन होमर पिजनइ और दूसरा अंगुल के पुलिस ट्रेनिंग कॉलेज पर 44 पिजन। कुल लगभग 150 प्रशिक्षित कबूतर आज भी सेवा में हैं। अब इन्हें सिर्फ सांस्कृतिक और औपचारिक उपयोग के लिए रखा गया है। ये कबूतर गणतंत्र दिवस, स्वतंत्रता दिवस की परेड में शांति, प्रेम और स्वतंत्रता का संदेश लेकर उड़ते हैं। हाल ही में भुवनेश्वर में 25 कबूतरों ने 30 किलोमीटर की दूरी मात्र 29 मिनट में तय की।

आज जब साइबर हमले, प्राकृतिक आपदाएं और इमरजेंसी में मोबाइल नेटवर्क फेल हो जाते हैं, तब यह सेवा सिर्फ विरासत नहीं, बल्कि सुरक्षा की गारंटी है। ओडिशा पुलिस के स्पेशल डीजी (कम्युनिकेशंस) अरुण रे के अनुसार, "यह भारत का सबसे अच्छा रखा गया राज है।" गौरतलब है कि सीएजी ने इसकी लागत पर आपत्ति जताई थी, लेकिन मुख्यमंत्री ने साफ कहा, "विरासत को बचाओ।"

यह सेवा हमें सिखाती है कि प्रगति का मतलब पुरानी चीजों को फेंकना नहीं, बल्कि उन्हें संभाल कर रखना है। आज युवा पीढ़ी स्माटफीन पर जीती है, लेकिन जब वे इन कबूतरों को उड़ते देखते हैं तो इतिहास जीवंत हो उठता है। ऐसे में यदि स्कूलों-कॉलेजों व अन्य कार्यकर्मों में इनका प्रदर्शन करवाया जाए, तो न सिर्फ नई पीढ़ी को बरसों पुरानी विरासत जानने का मौका मिलेगा बल्कि पर्यटन को भी बढ़ावा मिले। ड्रोन और सैटेलाइट के युग में भी ये पंख वाले डाकिया हमें याद दिलाते हैं कि प्रकृति की शक्ति आज भी अजेय है।

ओडिशा पुलिस की यह पहल दुनिया के लिए मिसाल है। अमेरिका, यूरोप या एशिया की कोई अन्य पुलिस फोर्स आज ऐसा नहीं कर रही। यह सिर्फ ओडिशा का गौरव नहीं, बल्कि पूरे भारत की सांस्कृतिक विरासत है। हमें इसे और मजबूत करना चाहिए। ज्यादा 'लॉफ्टइ, ज्यादा प्रशिक्षण, ज्यादा जागरूकता किया जाए। क्योंकि संचार सिर्फ तकनीक नहीं, बल्कि विश्वास और विश्वसनीयता का मामला है। जब आधुनिक दुनिया इंस्टेंट मैसेजिंग पर निर्भर है, तब ये उड़ने हार संदेशवाहक हमें सिखाते हैं झ कुछ चीजें कभी पुरानी नहीं होतीं, वे सिर्फ विरासत बन जाती हैं। ओडिशा पुलिस की 'कैरियर पिजन सर्विसइ इसी विरासत का जीवंत प्रतीक है। इसे बचाए रखना हमारी जिम्मेदारी है, ताकि आने वाली पीढ़ियां भी इन पंखों की उड़ान में इतिहास को महसूस कर सकें।

कैसा भूमंडलीकरण, कैसी विश्व व्यवस्था ?

श्रुति व्यास

साफ दिखलाई दे रहा है कि भूमंडलीकरण इतिहास की अनिवार्य धारा नहीं है, बल्कि मानों एक ऐसी व्यवस्था जैसी है जो परिस्थितियों पर निर्भर है। और वह लगातार खतरे के नीचे खड़ी है। कोई भी समय कभी भी इस पूरी व्यवस्था को पटरी से नीचे उतार सकता है, जैसे इस समय भूमंडलाकरण के साथ वैश्विक राजनीतिक व्यवस्था में भी नजर आ रहा है।

इजराइल-अमेरिका बनाम ईरान की लड़ाई ने फिर दुनिया को ठिठका दिया है। वजह वैश्विक अर्थव्यवस्था की धड़कनों में एक होर्मुज जलडमरूमध्य है। ईरान और खाड़ी देशों के बीच स्थित यह मार्ग दुनिया के लगभग पाँचवें हिस्से के तेल का रास्ता है। इसलिए जब यहाँ युद्ध या तनाव की आशंका पैदा होती है, तो असर केवल मध्य-पूर्व में ही सिमटा नहीं रहता। तेल बाजार से लेकर करेंसी बाजार, जहाज ?ानी से लेकर बीमा उद्योग और पूरी वैश्विक अर्थव्यवस्था हिलने लगती है। और ताजा लड़ाई ने विश्व राजधानियों में फिर यह सवाल पैदा किया है कि दुनिया को गाँव में बदलने वाले वैश्वीकरण की बुनियाद कितनी पुख्ता है?

तीन दशकों से यह विश्वास गहरा है कि वैश्वीकरण की प्रक्रिया का पलटना या थमना संभव नहीं है। उत्पादन और व्यापार की श्रृंखलाएँ महासागरों के पार फैल चुकी थीं। पूँजी की लगभग बिना रुकावट एक देश से दूसरे देश में आवाजाही है। एक महाद्वीप में बना सामान कुछ ही हफ्तों में दूसरे महाद्वीप की दुकानों तक पहुँच जाता है। दुनिया की अर्थव्यवस्था अब इतनी परस्पर जुड़ चुकी है कि उसका ढहना लगभग असंभव है।

इस विश्वास को समय-समय पर झटके लगे हैं। युद्धों ने विश्व व्यापार को बाधित किया और महामारी ने वैश्विक आपूर्ति व्यवस्था को अचानक रोक दिया। कोविड-19 के दौरान बंदरगाहों पर कंटेनर अटक गए, कारखाने बंद हुए और अंतरराष्ट्रीय व्यापार धीमा हुआ। लेकिन इसके बावजूद वैश्वीकरण रुका नहीं। वह कुछ समय के लिए ठहरा, फिर अपने को नए हालात के अनुरूप ढालकर आगे बढ़ गया। जैसे ही अर्थव्यवस्थाएँ खुलीं, व्यापार फिर तेजी से लौट आया। कंटेनर जहाजों ने फिर समुद्र पार करना शुरू किया, डिजिटल व्यापार और तेज हुआ। वैश्विक पूँजीवाद की व्यवस्था ने फिर अपना लचीलापन दिखाया।

लेकिन आज का संकट अलग प्रकृति का है। महामारी उत्पादन और आपूर्ति को बाधित करती है, जबकि युद्ध उन रास्तों को ही खतरे में डाल देता है जिनसे पूरी वैश्विक अर्थव्यवस्था चलती है। ईरान से जुड़ा संकट इसी कारण दुनिया की चिंता है, क्योंकि यह वैश्विक व्यापार की उन धमनियों को छूता है जिन पर पूरी व्यवस्था टिकी है।

होर्मुज जलडमरूमध्य सबसे संवेदनशील बिंदु है। दुनिया के लगभग पाँचवें हिस्से का तेल इसी मार्ग से गुजरता है। यदि यह मार्ग अस्थिर होता है, तो उसके असर बहुत दूर तक होंगे। तेल की कीमतें तुरंत उछलने लगती हैं। इसके बाद माल ढुलाई का खर्च बढ़ता है, बीमा प्रीमियम ऊपर जाते हैं। मुद्रा बाजारों में अस्थिरता छा जाती है। कुछ ही दिनों में यह कंपन वैश्विक अर्थव्यवस्था के कई हिस्सों में महसूस होने लगता है।

यहीं वैश्वीकरण की असली भौगोलिक सच्चाई है। दुनिया भले ही सीमा-रहित दिखाई देती हो, लेकिन वैश्विक व्यापार वास्तव में कुछ ही संकरे रास्तों पर निर्भर है। होर्मुज जलडमरूमध्य, स्वेज नहर और मलक्का जलडमरूमध्य ऐसे ही मार्ग हैं। जब इन रास्तों पर संकट आता है, तब वैश्वीकरण किसी अटूट व्यवस्था की तरह नहीं बल्कि भू-राजनीतिक स्थिरता पर निर्भर एक नाजुक ढाँचे की तरह खड़ा दिखता है। ईरान संकट एक और गहरे बदलाव की ओर भी संकेत है। शीत युद्ध के बाद यह मान लिया गया था कि आर्थिक परस्पर निर्भरता भू-राजनीतिक संघर्षों को सीमित कर देगी। जो देश वैश्विक अर्थव्यवस्था से गहराई से जुड़े होंगे, वे ऐसे कदम नहीं उठाएँगे जो उनकी अपनी समृद्धि को नुकसान पहुँचाएँ।

लेकिन पिछले कुछ वर्षों की घटनाएँ इस विश्वास को कमजोर कर रही हैं। यूक्रेन युद्ध ने यूरोप की ऊर्जा व्यवस्था को हिला दिया है। अमेरिका और चीन के बीच बढ़ता तनाव तकनीकी आपूर्ति श्रृंखलाओं को विभाजित कर रहा है। मतलब अब ईरान से जुड़ा संकट एशिया की आर्थिक वृद्धि को ऊर्जा देने वाले तेल मार्गों को ही खतरे में डाल दे रहा है। इसका मतलब यह नहीं कि वैश्वीकरण समाप्त हो रहा है। लेकिन उसका स्वरूप बदल रहा है। अब वह पहले की तुलना में अधिक रणनीतिक, अधिक सतर्क और शक्ति-राजनीति के दबावों के प्रति अधिक संवेदनशील हो गया है।

भारत के लिए इसके निहितार्थ तत्काल असर दिखा रहे हैं। भारत अपनी कच्चे तेल की लगभग 85 प्रतिशत आवश्यकता आयात से पूरी करता है। इसलिए ऊर्जा सुरक्षा उसकी स्थायी रणनीतिक चिंताओं में से एक है। भारत के तेल आयात का लगभग 40 प्रतिशत होर्मुज जलडमरूमध्य से होकर आता है। इसलिए जब खाड़ी क्षेत्र में तनाव बढ़ता है, तो उसका असर भारत की अर्थव्यवस्था पर बहुत जल्दी दिखाई देता है। तेल महँगा होता है, आयात बिल बढ़ता है, महँगाई का दबाव बनता है और रुपये पर असर पड़ता है। यह जोखिम केवल कीमत का नहीं, आपूर्ति का भी है। भारत के सामरिक पेट्रोलियम भंडार विशाखापत्तनम, मंगलुरु और पदूर में स्थित हैं। इन भंडारों में लगभग 39 मिलियन बैरल कच्चा तेल रखा जा सकता है, जो किसी गंभीर संकट की स्थिति में लगभग पाँच से छह सप्ताह की खपत को पूरा कर सकता है। प्रतिदिन पाँच मिलियन बैरल से अधिक तेल खपत करने वाले देश के लिए यह सुरक्षा उपयोगी तो है, लेकिन सीमित भी है।

पिछले कुछ वर्षों में भारत ने इस जोखिम को संतुलित करने की कोशिश की है। यूक्रेन युद्ध के बाद भारत ने रियायती रूसी कच्चे तेल की खरीद तेजी से बढ़ा दी। रूस, जो पहले भारत के तेल आयात का बहुत छोटा स्रोत था, कुछ समय के लिए उसका सबसे बड़ा आपूर्तिकर्ता बन गया। लेकिन ऊर्जा सुरक्षा अब केवल आर्थिक सवाल नहीं रही। वह सीधे भू-राजनीति से जुड़ चुकी है। नई दिल्ली को एक सावधानी भरे कूटनीतिक संतुलन के साथ आगे बढ ?ा पड़ रहा है।

2025 में अमेरिकी प्रशासन ने भारतीय निर्यात पर भारी शुल्क लगाए और इसका भी असर हुआ। राष्ट्रपति ट्रंप ने पहले 25 प्रतिशत शुल्क लगाया, फिर अतिरिक्त दंडात्मक शुल्क भी, जो भारत द्वारा रूसी तेल की खरीद जारी रखने से जुड़ा था। इससे कुछ भारतीय वस्तुओं पर कुल शुल्क लगभग 50 प्रतिशत तक था। संकेत साफ था कि ऊर्जा के फैसले अब भू-राजनीतिक हिसाब-किताब से अलग नहीं रहे। बहरहाल वह संकट अभी हाशिए में है। लेकिन इस पूरे प्रकरण का एक स्पष्ट सबक है। भारत की आयातों पर अत्यधिक निर्भरता जोखिम भरी है। पेट्रोलियम पदार्थ और ऊर्जा से जुड़े फैसले अब केवल कारोबारी नहीं हैं बल्कि वे भू-राजनीतिक बिसात का हिस्सा हैं।

ईरान संकट ने भारत की इस दुविधा को और जटिल बना दिया है। यदि खाड़ी क्षेत्र से तेल की आपूर्ति बाधित होती है, तो रूस से तेल खरीदना फिर एक आर्थिक अनिवार्यता होगी। लेकिन तब अमेरिका के साथ नए तनाव भी पैदा हो सकते हैं। यही मौजूदा वैश्वीकरण का विरोधाभास है। आर्थिक परस्पर निर्भरता स्थिर समय में अमीरी लाती है, लेकिन वही व्यवस्था दूर के युद्धों का भी असर हर देश की अर्थव्यवस्था में चिंता पैदा कर देती है।

हालांकि वैश्वीकरण एक युद्ध से समाप्त नहीं होगा। लेकिन आज वह पहले की तुलना में अधिक नाजुक निश्चित ही दिखाई दे रहा है। क्योंकि यह केवल व्यापार मार्गों का जाल नहीं था। यह बड़ी शक्तियों के बीच एक वैश्विक गाँव के भीतर राजनीतिक अनुशासन पर भी टिका है। और अनुशासन जब कमजोर पड ? लगता है, तो व्यवस्था तुरंत नहीं टूटती, लेकिन उसका असुरक्षित होना स्पष्ट दिखाई देने लगता है। ऐसे क्षणों में भूमंडलीकरण इतिहास की अनिवार्य धारा नहीं लगता, बल्कि एक ऐसी व्यवस्था जैसा दिखाई देता है जो परिस्थितियों पर निर्भर है— और लगातार खतरे के नीचे खड़ी है। समय कभी भी पूरी व्यवस्था को पटरी से नीचे उतार देता है, जैसा वैश्विक राजनीतिक व्यवस्था में भी इस समय दिखलाई दे रहा है।

महतारी वंदन योजना से महिलाओं को मिला आर्थिक संबल

छत्तीसगढ़ शासन की महत्वाकांक्षी महतारी वंदन योजना जिले की महिलाओं के लिए आर्थिक सशक्तिकरण का मजबूत माध्यम बनकर उभरी है। इस योजना के तहत जिले की लाखों महिलाओं को हर माह उनके बैंक खातों में सीधे राशि प्राप्त हो रही है, जिससे उन्हें अपने दैनिक खर्चों और परिवार की जरूरतों को पूरा करने में सहारा मिल रहा है।

वतर्मान में जिले की 08 परियोजनाओं में कुल 1 लाख 79 हजार 743 महिलाओं को इस योजना का लाभ मिल रहा है, जिनके खातों में हर माह 17 करोड़ 97 लाख 43 हजार रुपये की राशि राज्य शासन द्वारा अंतरित की जा रही है। यह सहायता राशि महिलाओं के जीवन में सकारात्मक बदलाव ला रही है। महिला एवं बाल विकास विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार जिले की आठ परियोजनाओं में से अंतागढ़ परियोजना अंतर्गत 15260 पात्र महिलाओं को 1 करोड़ 52 लाख 60 हजार रूपए, भानुप्रतापपुर परियोजना की 22492 महिलाओं को 2 करोड़ 24 लाख 92 हजार रूपए, चारामा की 27848 महिलाओं को 2 करोड़ 78 लाख 48 हजार रूपए, दुर्गूकोंदल की 15512 महिलाओं को 1 करोड़ 55 लाख 12 हजार रूपए, कांकेर परियोजना की 27478 महिलाओं को 2 करोड़ 74 लाख 78 हजार रूपए, कोयलीबेड़ा की 5449 महिलाओं को 54 लाख 49 हजार रूपए, नरहरपुर की 27578 महिलाओं को 2 करोड़ 75 लाख 78 हजार रूपए तथा पखांजूर परियोजना की 37829 महिलाओं को 3 करोड़ 78 लाख 29 हजार रूपए इस प्रकार प्रतिमाह 17 करोड़ 97 लाख 43 हजार रुपये की राशि राज्य शासन द्वारा अंतरित की जाती है। मार्च 2024 से फरवरी 2026 तक कुल 24 किश्तें राज्य शासन द्वारा जारी की जा चुकी हैं।

कांकेर शहर के शांतिनगर निवासी श्रीमती पुष्पा विश्वकर्मा बताती हैं कि उन्हें अब तक महतारी वंदन योजना की 24 किश्तें प्राप्त हो चुकी हैं। वे इस राशि का उपयोग अपनी दो बेटियों के भविष्य को सुरक्षित करने के लिए कर रही हैं। उन्होंने बताया कि हर माह अपनी दोनों बेटियों के नाम पर सुकन्या समृद्धि योजना के तहत खोले गए खातों में 500-500 रुपये प्रतिमाह जमा करती हैं। वे बताती हैं कि पहले सुकन्या समृद्धि योजना में नियमित रूप से राशि जमा करने के लिए काफी जद्दोजहद करनी पड़ती थी, लेकिन अब महतारी वंदन योजना से मिलने वाली राशि से यह कार्य आसान हो गया है। इसके लिए उन्होंने मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के प्रति आभार व्यक्त किया। जिले की अन्य हितग्राही महिलाओं ने भी इस योजना के लिए प्रदेश सरकार के प्रति धन्यवाद देते हुए कहा कि महतारी वंदन योजना महिलाओं के जीवन में खुशहाली और आर्थिक आत्मनिर्भरता का नया आधार बन गई है।

भारत तक पहुंची आंच

भारत के अतिथि जहाज को भारतीय जल क्षेत्र के करीब डुबो देना भारत की प्रतिष्ठा के प्रति अमेरिका की बेपरवाही की मिसाल है। इसलिए इस घटना पर भारत को औपचारिक विरोध एवं आपत्ति अवश्य दर्ज करानी चाहिए। ईरान पर अमेरिका- इजराइल के हमले से पश्चिम एशिया में शुरू हुए युद्ध की आंच बुधवार को भारत तक पहुंच गई, जब भारतीय जलसीमा के करीब ईरान के जहाज इरिस देना को अमेरिका ने डुबो दिया। अमेरिका के युद्ध मंत्री पीटर हेगसेट ने इसे अपने देश की एक बड़ी सैन्य सफलता के रूप में पेश कर इस बारे में कोई भ्रम नहीं रहने दिया कि ये कारर्वाई योजनाबद्ध ढंग से की गई। अमेरिका ने ऐसा करने को सोचा, यह भारत के प्रति उसके तौहीनी नजरिए का परिचायक है। आखिर वो जहाज भारतीय नौसेना के अंतरराष्ट्रीय बेड़ा समीक्षा कार्यक्रम- मिलन- में भाग लेने भारत के आमंत्रण पर आया था। विशाखपत्तमन में इस कार्यक्रम में भाग लेकर वह लौट रहा था।

ईरान ने कहा है कि चूंकि जहाज युद्ध से बाहर के क्षेत्र से गुजर रहा था, अतः उसकी हथियार प्रणालियों को "सुरक्षित एवं निष्क्रिय" मोड में रखा गया था। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने कहा है- 'हम मान कर चल रहे थे कि हम दोस्ताना जल क्षेत्र में हैं, अतः जहाज पर सवार अधिकांश लोग समारोहों में भाग लेने वाले गैर लड़ाकू कमर्चारी थे।इ डॉनल्ड ट्रंप प्रशासन ने ऐसे जहाज पर हमला करने को सोचा, यह तमाम अंतरराष्ट्रीय कानूनों और मर्यादाओं को ठेंका दिखाने के उसके नजरिए मेल खाता है। मगर ऐसा भारत के अतिथि जहाज के साथ भारतीय जल क्षेत्र के करीब करना भारत की चिंताओं के प्रति उसकी असंवेदनशीलता की भी मिसाल है।

इसलिए इस घटना पर भारत को औपचारिक विरोध एवं आपत्ति दर्ज करानी चाहिए। दुनिया में प्रतिष्ठित स्थान प्राप्त करने की सबसे पहली शर्त खुद अपनी प्रतिष्ठा के प्रति सचेत रहना होता है। वेनेजुएला और ईरान के मामलों में अंतरराष्ट्रीय नियमों के पक्ष में आवाज ना उठा कर भारत ने पहले ही अपनी अंतरराष्ट्रीय हैसियत की अनदेखी की है। मगर अब बात सैद्धांतिक रुख तय करने की नहीं, बल्कि अपने मामले में बोलने की है। कम-से-कम यह अवश्य कहा जाना चाहिए कि अमेरिका अपने युद्ध की आंच हम तक पहुंचाए। भारत के क्षितिज पर वैसे ही अमेरिकी युद्ध के आर्थिक दुष्परिणामों का अंदेशा सघन होता जा रहा है।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस : ब्रेल पुस्तकें और 3000 से अधिक ऑडियो बुक्सः दिव्यांग

प्रतिवर्ष 8 मार्च को मनाया जाने वाला अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस समाज में महिलाओं की उपलब्धियों, उनके अधिकारों और सशक्तिकरण को सम्मान देने का अवसर प्रदान करता है। इसी भावना को साकार करते हुए छत्तीसगढ़ में दिव्यांग महिलाओं और बालिकाओं के शैक्षणिक सशक्तिकरण की दिशा में एक उल्लेखनीय पहल सामने आई है।

राजधानी रायपुर स्थित लोक भवन, सिविल लाइन में पिछले माह जनवरी में आयोजित एक गरिमामय राज्य स्तरीय कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ के राज्यपाल रमेन डेका के करकमलों से दो महत्वपूर्ण ब्रेल पुस्तकों—दिव्यांग महिलाओं की सफलता की कहानी और छत्तीसगढ़ के वीर—का विमोचन किया गया। साथ ही दृष्टिबाधित विद्यार्थियों के लिए तैयार की गई 3000 से अधिक ऑडियो बुक्स का भी लोकार्पण किया गया।

यह पहल विशेष रूप से उन दिव्यांग बालिकाओं और महिलाओं के लिए आशा की नई किरण बनकर सामने आई है, जिन्हें सामान्य परिस्थितियों में शैक्षणिक संसाधनों तक पहुँचने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। ब्रेल पुस्तकें और ऑडियो बुक्स अब उन्हें शिक्षा के साथ-साथ आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ने का अवसर प्रदान कर रही हैं।

कार्यक्रम में धमतरी जिला की समर्पित शिक्षिका श्रीमती प्रीति शांडिल्य को दिव्यांगजनों के लिए शिक्षा के क्षेत्र में किए गए उत्कृष्ट और नवाचारी योगदान के लिए राज्यपाल द्वारा सम्मानित किया गया। उनके प्रयासों से ब्रेल पुस्तकों और ऑडियो बुक्स के निर्माण का कार्य गति पकड़ सका, जिससे दृष्टिबाधित बच्चों विशेषकर बालिकाओं के लिए शिक्षा के नए द्वार खुले हैं।

लोकार्पित ऑडियो बुक्स में कक्षा 6वीं से 12वीं तक के सभी विषयों के पाठ, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए विशेष सामग्री, सरगुजिया लोककथाएं, सामान्य ज्ञान, महिला सशक्तिकरण, तथा दिव्यांगजनों के लिए संचालित शासकीय योजनाओं से जुड़ी जानकारी शामिल की गई है। यह सभी सामग्री ह्वर्ल्ड ऑडियो बुकह्व यूट्यूब चैनल पर एक ही मंच पर उपलब्ध कराई गई है, जिससे दृष्टिबाधित विद्यार्थियों को निःशुल्क और सरल शैक्षणिक संसाधन मिल सकें।

तब राज्यपाल रमेन डेका ने शिक्षकों के इस मानवीय प्रयास की सराहना करते हुए कहा कि सामान्य पुस्तकों को ब्रेल और ऑडियो स्वरूप में उपलब्ध कराना समावेशी शिक्षा की उत्कृष्ट मिसाल है। उन्होंने कहा कि इस पहल को अन्य राज्यों तक भी पहुँचाने का प्रयास किया जाएगा, ताकि यह राष्ट्रीय स्तर पर एक आदर्श मॉडल बन सके।

इस अभियान की प्रेरणा राष्ट्रपति पुरस्कार से सम्मानित दुर्ग की शिक्षिका के. शारदा को वर्ष 2024 में मिले सम्मान के बाद मिली। 25 अक्टूबर 2024 से शुरू हुए इस अभियान में उन्होंने स्वयं 800 से अधिक ऑडियो बुक्स तैयार कीं। बाद में विभिन्न जिलों के शिक्षकों के सहयोग से यह संख्या बढ़कर 3100 से अधिक हो गई। पूर्व में के. शारदा और प्रीति शांडिल्य द्वारा संयुक्त रूप से तैयार ब्रेल पुस्तकों को छत्तीसगढ़ के 20 ब्रेल विद्यालयों में 100-100 प्रतियों के रूप में निःशुल्क वितरित किया जा चुका है।

कलेक्टर अबिनाश मिश्रा ने कहा कि जिले की शिक्षिका प्रीति शांडिल्य सहित सभी शिक्षक साथियों द्वारा दिव्यांगजनों के लिए किया जा रहा यह कार्य अत्यंत सराहनीय और प्रेरणादायी है। उन्होंने कहा कि यह पहल न केवल शिक्षा को समावेशी बनाती है, बल्कि समाज में संवेदनशीलता, सेवा भावना और सकारात्मक सोच को भी मजबूत करती है। इस ऑडियो बुक निर्माण अभियान में 30 शिक्षकों की सक्रिय सहभागिता रही। राज्यपाल ने सभी योगदानकर्ता शिक्षकों को सम्मानित करते हुए इसे समाज के लिए प्रेरणास्रोत बताया।

महिला दिवस के अवसर पर यह पहल इस बात का प्रमाण है कि जब महिलाएं शिक्षा और सेवा के माध्यम से समाज के कमजोर वर्गों के लिए कार्य करती हैं, तो परिवर्तन की नई संभावनाएं जन्म लेती हैं। ब्रेल पुस्तकों और ऑडियो बुक्स के माध्यम से दिव्यांग बालिकाओं और महिलाओं के लिए ज्ञान के द्वार खुल रहे हैं, जो उन्हें आत्मनिर्भर और सशक्त बनने की राह दिखा रहे हैं।

बच्चे से दोस्ती कितनी सच्ची?

आप दुनिया की बेस्ट मॉम हैं क्योंकि अपने बच्चे के साथ आप दोस्ताना व्यवहार करती हैं। माता-पिता बच्चे के दोस्त तो बन जाते हैं, पर इस रिश्ते की कुछ सीमाएं भी होती हैं। बच्चे की अच्छी परवरिश के लिए इन सीमाओं को अपनाना भी जरूरी है।

मिष्ठी के लिए दोस्ती का मतलब है उसकी मां रितु। रितु से वो सबकुछ साझा करती है। सुबह स्कूल जाने से लेकर घर वापस आने तक की बातें तो बताएगी ही, साथ ही वह हर घटना पर अपनी राय, जैसे उसको क्या अहसास हुआ, किस बात पर गुस्सा आया, किस बात पर हंसी, सब अपनी मां से साझा करती है। मगर यह दोस्ती तब तक अच्छी है, जब तक वह अपनी उम्र के हिसाब से सोच रही है। क्योंकि उसको अपनी बातों पर मां की राय भी मिलती है इसलिए कहीं वो मां के हिसाब से तो दुनिया को नहीं देखने लगी? इसका खयाल मां रितु को ही रखना होगा। ध्यान देना होगा कि मिष्ठी से जब वह दिल की बातें करें तो अपनी और उसकी उम्र याद रखें।

बच्चे की गाइड- माता-पिता होने के नाते आपको ध्यान रखना होगा कि आपको बच्चे के लिए कोच, सपोर्टर, गाइड और एजुकेटर की भूमिका निभानी है। इसमें कोई कोताही न हो, तभी बच्चे की ओर दोस्ती का हाथ बढ़ाएं। आपको यह याद रखना होगा आपका यह दोस्त असल में आपका बच्चा है, जिसकी उम्र बहुत कम है।

बिगड़े ना रिश्ते का संतुलन- आज 15 साल की उम्र में रोहन की यह दोस्ती कुछ ऐसी हो गई है कि लोग रोहन को बदतमीज कहने लगे हैं। दरअसल जैसे पापा को रोहन की गलती पर उसे डांटना चाहिए, ठीक वैसे ही वह भी पापा को उनकी गलतियां याद दिलाने लगा है। बस, यहीं पर माता-पिता और बच्चों के बीच दोस्ती का मामला बिगड़ जाता है। जरूरत है कि बच्चे के दोस्त तो बनें, पर यह न भूलें कि सुझाव तो दोनों एक-दूसरे को दे सकते हैं। पर, राह सिर्फ आप बेटे को दिखा सकते हैं, बेटा आपको नहीं। बच्चे को आपके उम्र और अनुभव की कद्र करनी होगी।

कमजोरियां न ही बताएं- कोशिश कीजिए कि बच्चे को आप परफेक्ट लगें, ऐसे कि आप उसके लिए सब कुछ अच्छा करेंगे। इसके साथ जिंदगी में आप किन परेशानियों से जूझ रहे हैं, किससे मन-मुटाव है, जैसी बातें भी बच्चों से दूर ही रखिए।

हल बताएं नहीं, पूछें- हालांकि दोस्त का काम परेशानी में पूरा साथ देना और हल बताना होता है, पर आप हमेशा ऐसा न करें। मान लीजिए कोई उसका मजाक उड़ा रहा है। इससे उसके विकास में कमी आएगी। ऐसे में बच्चे से पूछें कि इस समस्या का समाधान क्या है। वो ऐसा नहीं कर पा रहा है तो भी आप बस हिंट दें। बच्चे की राय लें कि 'फलां तरह हल निकल सकता है या कोई और रास्ता सही रहेगा' फिर बच्चा जो राह चुने, उसे चुनने का उससे कारण जरूर पूछें।

कब पेरेंट्स का रोल निभाना है- आपको पता होना चाहिए कि कब आपको दोस्त का जामा उतारकर पेरेंट्स बनना है। अब उसकी परेशानी का समाधान आप ढूंढेंगी, क्योंकि यह बच्चे के बस की बात नही है। हो सकता है कोई उसका शोषण कर रहा हो या किसी भी दूसरी तरह से बेवजह बड़ी दिक्कत खड़ी कर रहा हो।

क्या कहते हैं मनोवैज्ञानिक - बच्चों और माता-पिता के बीच संवाद की कमी नहीं होनी चाहिए। इसी कमी को पूरा करने के लिए माता-पिता को बच्चों के दोस्त बनने की सलाह दी जाती है। इससे एक-दूसरे के बीच समझ बनती है और बच्चे अपनी बात खुल कर कह पाते हैं। रिश्ते में नियमों की बात करें, तो रहन-सहन का परिवेश भी कई नियम बनाता है। जैसे नॉर्थ ईस्ट में लड़के-लड़की की दोस्ती बड़ी बात नहीं है। आप बच्चे को इसके लिए नहीं टोकेंगी, पर यही नियम देश के अन्य हिस्सों में बदल जाता है।'

बच्चे में लाएं अनुशासन - दोस्त बने पर हमकदम नहीं। कुछ काम उसे अकेले भी करने दें। बच्चों से घर के छोटे-मोटे काम जरूर करवाएं। अपने जीवन में आपने जो सीमाएं बनाई हैं, उनको बच्चों के साथ जरूर बांटिए। उनसे जीवन के कुछ नियमों को हर दिन के कामकाज में लागू करने को कहें। अगर आप बच्चे के साथ कुछ ज्यादा ही जुड़ गई हैं, तो आज ही से सकारात्मक तरीके से उसमें आवश्यक कमी लाना शुरू कर दें।

ताकि बने व्यक्तिगत पहचान - बच्चे के दोस्त तो बनिए, पर इस दोस्ती के चक्कर में उसकी व्यक्तिगत पहचान को न भूलिए। मतलब दोस्त तो बनें, पर हमेशा साथ रहने वाला दोस्त नहीं, ताकि बच्चे को भी खुद की पहचान का अहसास हो। कुछ जिम्मेदारियां वह खुद उठाए और अहसास करे कि हमेशा कोई साथ नहीं होगा। आगे चलकर ढेरों काम खुद करने होंगे। इससे उसमें निर्णय लेने की क्षमता भी बढ़ेगी।

क्या है ज्यादा जरूरी फैशन या सेहत?

फैशन भी बहुत अजीब है। खुद को खूबसूरत बनाने और अपने फैशन की धाक जमाने के लिए सेलेब्रिटी क्या-क्या नहीं करते? कहीं न कहीं वे इस बात को भूल जाते हैं कि फैशन का खामियाजा उनके शरीर को ही भुगतना पड़ता है। जब विक्टोरिया बेखम को प्रिंस विलियम और केट मिडलटन की शादी में हाई हील्स पहने हुए देखा गया तो किसी को आश्चर्य नहीं हुआ, क्योंकि पूरी दुनिया हाई हील्स के प्रति उनके प्यार को बखूबी जानती है। लेकिन, सबकी आंखें उस वक्त ठिठक गईं, जब बेटी के जन्म के बाद उन्होंने बिना हील्स वाली फुटवियर पहननी शुरू कर दी। दरअसल, प्रेग्नेंसी में लंबे समय तक हाई हील्स पहनने की वजह से वो स्लिप डिस्क का शिकार हो गई थीं, जिसकी वजह से उन्हें हाई हील्स से तौबा करनी पड़ी। अब यहां सवाल यह उठता है कि स्लिप डिस्क होता क्या है और हाई हील्स का इससे क्या रिश्ता? हालांकि प्रेग्नेंसी में महिलाओं को कमर दर्द की शिकायत होना आम बात है क्योंकि गर्भावस्था के नौ महीनों के दौरान महिलाओं के शरीर में कई हार्मोनल व शारीरिक बदलाव होते हैं। प्रेग्नेंसी के आखिरी समय में तो शरीर का विकास इतना अधिक हो जाता है कि कई अंगों पर दबाव पड़ने लगते हैं।

ऐसी स्थिति में हाई हील्स पहनने से हमारे पैरों के अंगूठे से लेकर हिप्स, स्पाइन, कंधे आदि पर शरीर का अतिरिक्त भार आ जाता है, जिससे उनके बीच में संपर्क स्थापित करने वाली नसें भी बोझिल हो जाती हैं। यही वजह है कि लंबे समय तक, खासकर प्रेग्नेंसी में अगर हाई हील्स पहनी जाए तो वे कमर व गर्दन पर बुरा असर करती हैं।

कितनी ऊंची पहनें हील्स

अगर आप प्रेग्नेंसी के दौरान कमर दर्द या उससे संबंधित किसी भी बीमारी से बचना चाहती हैं तो 1.5 इंच से ज्यादा ऊंची हील्स न पहनें। अगर आप की लंबाई कम है और आपको थोड़ा सा लंबा दिखना है तो कभी-कभार 3 इंच की हील्स पहन सकती हैं, लेकिन रोजाना इन्हें इस्तेमाल में न लाएं। प्रेग्नेंसी में केवल फ्लैट फुटवियर पहनना ही महिलाओं के लिए सुरक्षित माना जाता है। यदि आपको रोजाना अधिक चलना पड़ता है तो हाई हील्स न ही पहनें। ज्यादा ऊंची हील्स आपके शरीर के बैलेंस को बिगाड़ सकती है। कई मामलों में यह स्लिप डिस्क का कारण भी बन सकता है।

स्लिप डिस्क की हो सकती हैं शिकार

स्लिप डिस्क को हर्नियेटिड डिस्क भी कहा जाता है। जब भी शरीर पर अतिरिक्त दबाव पड़ता है या रीढ़ की हड्डी पर जोर पड़ता है जैसे गलत तरीके से उठना-बैठना, बार-बार झुकना, झुककर बैठना, व्यायाम न करना, प्रेग्नेंसी आदि की स्थिति में स्लिप डिस्क की आशंका और बढ़ जाती है। दरअसल, प्रेग्नेंसी के दौरान महिलाओं का वजन खासकर पेट और कमर के हिस्से में दबाव बहुत ज्यादा बढ़ जाता है। इससे रीढ़ की हड्डी पर भी कभी-कभी गलत असर पड़ता है। रीढ़ की हड्डी का आकार बिगड़ने लगता है और इससे कमर के निचले हिस्से और गर्दन पर भी असर होता है। ऐसे में अगर लगातार हाई हील्स पहनी जाए, तो डिस्क पर बेहद बुरा प्रभाव पड़ता है और इसकी शुरुआत अक्सर भयानक कमर दर्द से होती है। नसों में एक अजीब प्रकार का खिंचाव व झनझनाहट स्लिप डिस्क का एक बड़ा लक्षण है। यह झनझनाहट पूरी नस में दर्द उत्पन्न करती है जो कष्टदायक होता है। इसके अलावा प्रभावित जगह पर सूजन होना भी इस दर्द को और अधिक जटिल बना देता है।

इन बातों का ध्यान दें

प्रेग्नेंसी में हाई हील्स न पहनें, खासकर अंतिम महीनों में। उठने-बैठने के तरीके में परिवर्तन करें। बैठते वक्त सीधे तन कर बैठें। कमर झुकाकर या कूबड़ा निकालकर न बैठें और न ही चलें। यदि बैठे-बैठे ही अलमारी की रैक से कुछ उठाना है तो ध्यान रहे कि पेट पर सारा दबाव न पड़े। अपनी क्षमता से अधिक वजन न उठाएं। नरम या गुदगुदे से बिस्तर पर न सोएं बल्कि सपाट पलंग या तख्त पर सोएं। ताकि पीठ की मांसपेशियों को पूरा विश्राम मिले। तनाव की स्थितियों से बचें। चिंता दूर करने के लिए टहलें। ध्यान करें और खुश रहें।

प्रेग्नेंसी के दौरान फैशनेबल दिखने के चक्कर में कई बार महिलाएं अपनी सेहत को भी अनदेखा कर जाती हैं। पर, यह अनदेखी कभी-कभार प्रेग्नेंसी के दौरान और कभी बच्चे के जन्म के बाद सेहत पर भारी पड़ जाती है। गर्भावस्था में हाई हील्स से दूर रहने की सलाह क्यों दी जाती है

बच्चे को हो जाएगा अपने खाने से प्यार

जब तक बच्चा सिर्फ दूध पर निर्भर है, तब तक तो कोई परेशानी नही। पर जैसे ही वह छह माह का हुआ, उसे ठोस आहार देने की शुरुआत हो जाती है। पर ठोस आहार देने की शुरुआत के साथ संभव है कि बच्चे को पाचन संबंधी कुछ परेशानियों का सामना भी करना पड़े। इन परेशानियो से बचने के लिए बच्चे के शुरुआती आहार का चुनाव सोच-समझकर करें।

बच्चा को कब दें ठोस आहार

बच्चे को ठोस आहार की शुरुआत छह माह से कर देनी चाहिए। साथ ही इस बात का भी ध्यान रखें कि बच्चे को ठोस आहार तब ही देना शुरू करें, जब बच्चे का सिर स्थिर हो जाए।बच्चे को ठोस आहार देने की शुरुआत तभी करें, जब वह ठोस आहार को कुछ देर मुंह में रखने के बाद उसे निगलना सीखने लगे। अमूमन शुरुआत में बच्चा खाने को चीभ से बाहर ठेलना ही जानता है। खाने को निगलने की प्रक्रिया को वह धीरे-धीरे सीखता है। बच्चे को ठोस आहार देने की शुरुआत तभी करें, जब वह सहारा लेकर बैठना शुरू कर दे।

बच्चे को ठोस आहार देना धीमे-धीमे बढ़ने वाली प्रक्रिया है। खुराक कैलोरी व प्रोटीन से भरपूर होनी चाहिए। महत्वपूर्ण बात यह है कि आप ऐसे खाद्य पदार्थ चुनें, जिनसे बच्चे की जरूरतें पूरी हो सकें। शुरुआत में आप अपने शिशु को कोमल कैलोरी युक्त खाद्य पदार्थ दे सकती हैं, जैसे कि सूजी की खीर, घी वाली खिचड़ी, दलिया, कुचला हुआ केला आदि। आपके शिशु के लिए इस उम्र में आयरन बेहद अहम है। जो शिशु मां के गर्भ में वक्त पूरा करके जन्म लेते हैं उनके शरीर में आयरन का भंडार छह महीनों तक रहता है। उसके बाद उसके शरीर से आयरन का भंडार कम होने लगता है और उसे अपनी खुराक में आयरन चाहिए होता है। इस लिहाज से आयरन युक्त खाद्य को खास महत्व देना चाहिए। कुचली हुई सब्जियों से शुरुआत करें और फिर धीरे-धीरे उसे अन्य चीजें खिलाएं। दालें, फलियां, अंकुरित दालें, ब्रोकली व बंदगोभी आयरन का अच्छा स्त्रोत हैं। इस बात को भी ध्यान में रखें कि बच्चे को जब पहले-पहल ठोस खाद्य पदार्थ दिया जाता है तो कुछ दिनों तक उसे कब्ज, अपच, पेट दर्द या इस तरह की अन्य परेशानियां हो सकती हैं। इन परेशानियों से बचने के लिए बच्चे के खाने की शुरुआत सेमी-लिक्विड फूड से करें, साथ तरल पदार्थ और पानी ज्यादा दें। परेशानियों को दूर भगाने में हमदर्द की जन्म घुट्टी और हमदर्द बेबी केयर रेंज के अन्य प्रोडक्ट भी आपकी मदद कर सकते हैं।

क्या है पोषक तत्वों की भूमिका

आयरन, बच्चे के शारीरिक व मानसिक विकास के अलावा हीमोग्लोबिन के उत्पादन के लिए जरूरी है। हीमोग्लोबिन कोशिकाओं को ऑक्सीजन पहुंचाने व रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाने में प्रमुख भूमिका निभाता है। कैल्शियम व फॉस्फोरस हड्डियों की बढ़त के लिए जरूरी हैं। बच्चे को प्रचुर मात्रा में कैल्शियम देने की सलाह दी जाती है ताकि बाद में फ्रैक्चर आदि की आशंका कम हो। विटामिन ए, विटामिन ई, आपके बच्चे की रोग प्रतिरोधी क्षमता को बढ़ाने के लिए जरूरी हैं। प्रोटीन बच्चे की समग्र वृद्धि और विकास में केन्द्रीय भूमिका निभाता है और यह शरीर के ऊतकों के निर्माण व मरम्मत के लिए जरूरी है। अगर ऊर्जा की जरूरत पूरी न हो तो हो सकता है कि शरीर प्रोटीन को ऊर्जा के लिए प्रयोग करे और इससे बच्चे के विकास और वृद्धि पर विपरीत असर पडेगा।

खाना खजाना

शाकाहारी मुगलई कोफ्ते

सामग्री - 200 ग्राम आलू, 150 ग्राम गाजर, 250 ग्राम टमाटर, 200 ग्राम फूलगोभी, दो छोटे चम्मच बेसन, 2 स्लाइस ब्रैड, आधा छोटा चम्मच नमक, आधा छोटा चम्मच मिर्च, आधा छोटा चम्मच धनिया पाऊडर, आधा छोटा चम्मच घी

ग्रेवी के लिए - हरी मिर्च, अदरक का 1 टुकड़ा, खसखस के 2 चम्मच, टमाटर 4 बड़े, काजू 50 ग्राम, किशमिश 50 ग्राम, पनीर 100 ग्राम, गर्म मसाला 1 चम्मच, पानी 3 कप, नमक, मिर्च एवं धनिया अंदाजे से।

विधि - मटर के दाने निकाल कर उसमें आलू, गाजर, गोभी के छोटे-छोटे टुकड़े मिला लें। पानी डालकर कूकर में तब तक पकाएं जब तक सब्जियां गल न जाएं। फिर पानी निकाल कर रख लें। उबली हुई सब्जियों में सूखा भुना बेसन, ब्रैड और मसाले डाल कर मैश कर लें । थोड़ा सा घी हाथ पर लगा कर छोटे-छोटे रोल बनाएं तथा बाद में गर्म घी में तल कर रख दें।

ग्रेवी बनाने की विधि - प्याज बारीक पीस लें। खसखस, अदरक व हरी मिर्च एक साथ पीस लें। तेल गर्म करके प्याज लाल होने तक भूनें, बाद में खसखस का बनाया पेस्ट डाल कर थोड़ा और भूनें। अब टमाटर का पेस्ट डाल कर घी छोड़ने तक पकाएं। फिर 3 कप पानी डालें और काजू-किशमिश डालें तथा अच्छी तरह उबाल लें। ग्रेवी को गाढ़ा होने तक पकने दें। तले हुए कोफ्ते बोल में सजा कर, उसके ऊपर गर्मा-गर्म ग्रेवी डालें तथा कसा पनीर, धनिया और गर्म मसाला छिड़क कर परोसें।

स्वादिष्ट पाव भाजी

सामग्री - एक आलू उबला एवं मैश किया हुआ, आधा कप हरे मटर, आधा कप शिमला मिर्च, एक फ्रैंचबीन, एक लौकी, 100 ग्राम टमाटर कद्दूकस किया हुआ, आधा कप अदरक-लहसुन का पेस्ट, 2 चम्मच प्याज बारीक कटा, 2 चम्मच हल्दी पाऊडर, आधा चम्मच पावभाजी मसाला, 2 चम्मच टोमैटो सॉस, एक चम्मच बारीक कुतरा हरा धनिया, नमक स्वादानुसार, छ-पाव

बनाने की विधि - शिमला मिर्च के बीज निकाल लें। फ्रैंचबीन के दोनों सिरे काट कर बीच में दो टुकड़े करें। लौकी छील कर मोटे टुकडों में काट लें। सभी सब्जियों को हैन्ड चॉपर में डालें और बारीक कर लें। एक प्रैशरपैन में प्याज भूनें और फिर पानी का छींटा मार कर अदरक-लहसुन भूनें। इसमें कद्दूकस किया टमाटर डाल कर दो मिनट चलाएं। सभी सब्जियां, पाव भाजी मसाला, नमक एवं हल्दी डालें। साथ ही एक कप पानी डाल कर एक सीटी आने तक पकाएं। प्रैशरपैन ठंडा होने पर डाल कर भाजी गाढ़ी होने तक पकाएं। इसमें टोमैटो कैचअप भी डाल दें। हरे धनिए से सजाएं और पाव के साथ सर्व करें। पाव को बीच से काटें और ऐसे ही तवे पर गर्म कर लें।

दावते कड़ाही पनीर

सामग्री - 250 ग्राम पनीर, 2 शिमला मिर्च, 2-3 टमाटर, 2 प्याज मोटे कटे हुए, 2 हरी मिर्च, 6-7 कलियां लहसुन, 1 इंच लंबा टुकड़ा अदरक, 2 टेबलस्पून तेल या घी, आधा छोटा चम्मच जीरा, 1 छोटा चम्मच धनिया पाऊडर, थोड़ी-सी लाल मिर्च, एक-चौथाई छोटा चम्मच गर्म मसाला, नमक स्वादानुसार, हरा धनिया बारीक कटा हुआ

बनाने की विधि - शिमला मिर्च के बीज निकाल कर उसे बारीक काट लें। अदरक, हरी मिर्च एवं लहसुन को मिक्सी में पीस लें। कड़ाही में तेल डाल कर गर्म करें तथा उसमें जीरा डाल कर भूनें, फिर उसमें हरी मिर्च, प्याज, अदरक, लाल मिर्च, धनिया और गर्म मसाला डाल कर तब तक भूनें जब तक मसाला तेल न छोड़ दे। मसाले में टमाटर डालें और नर्म होने तक पकाएं, उसके बाद शिमला मिर्च डाल कर 2-3 टेबलस्पून पानी और नमक स्वादानुसार डालें और ढक कर 4-5 मिनट के लिए पकाएं। जब शिमला मिर्च नर्म हो जाए तब पनीर को क्यूब के शेप में काटें और उसे भी कड़ाही में डाल दें। सब्जी को 2-3 मिनट के लिए धीमी आंच पर पकने दें, कड़ाही पनीर बन कर तैयार है। हरा धनिया कड़ाही पनीर पर डालें और चपाती या नान के साथ परोसें।

चटपटे मूंगफली के दही-वड़े

सामग्री - 250 ग्राम मूंगफली, 2 चम्मच हरी मिर्च कटी हुई, 3 चम्मच बेसन, नमक स्वादानुसार, आवश्यकतानुसार ऑलिव ऑयल, एक-चौथाई फरूट सॉल्ट, 2 कप पानी, 1 चम्मच शूगर फ्री, 4 चम्मच दही

गार्निशिंग के लिए - इमली की चटनी, हरी चटनी, जीरा और काली मिर्च पाऊडर, अदरक, भुनी मूंगफली

बनाने की विधि - सबसे पहले मूंगफली को हरी मिर्च और आवश्यकतानुसार पानी के साथ ग्राइंड कर लें। अब इसे बाऊल में निकाल कर उसमें बेसन, नमक, फरूट साल्ट मिलाएं। भीगे कपड़े पर इस मिक्सचर के छोटे-छोटे बॉल बना कर डालें और हल्के हाथों से दबाएं। अब इन्हें मध्यम आंच पर डीप फ्राई करें। बाऊल में गर्म पानी डाल कर उसमें वड़े को भिगोएं और हाथों से दबा कर अतिरिक्त पानी निकाल लें। अब चीनी मिला दही इन वड़ों के ऊपर डालें। इसे चटनी, जीरा, काली मिर्च पाऊडर, अदरक और भुनी मूंगफली से गार्निशिंग करके सर्व करें।

घर पर ही कर सकते हैं ऐसे व्यायाम

व्यायाम खासतौर पर उन अंगों के लिए बेहद असरदार हैं जो या तो बढ़ती उम्र के कारण दुर्बल होने लगते हैं या फिर शरीर का भार बढ़ने के कारण फैलने लगते हैं जैसे- पेट, जांघ, बाजुओं का पिछला हिस्सा व कमर आदि। इन व्यायामों के जरिए निश्चय ही बेहतरीन परिणाम आपको मिलेंगे।

टखनों व पिंडलियों के लिए व्यायाम

वार्म होने के बाद सबसे पहले टखनों व पिंडलियों के लिए व्यायाम करना चाहिए। इसके लिए एक कुरसी के किनारे बैठ जाएं। घुटने एक साथ जोड़ लें, पैरों के बीच की दूरी डेढ़ फीट हो। ध्यान रहे पंजे अंदर की ओर इशारा करते हुए हों। अब पंजों को जितना ऊपर उठा सकती हैं उठाएं, फिर नीचे लाएं। इसे 16 बार दोहराएं। अब पैरों को बाहर की ओर मोड़ते हुए घुटने मिलाकर पैरों में फासला रखते हुए एक बार फिर 16 बार उठाएं। अंत में एड़ियों को जमीन पर जमाते हुए दोनों पैरों को जमीन के साथ रगड़ते हुए अंदर की ओर लाएं। अब पांवों को स्वीप करते हुए बाहर की ओर लाएं और दोबारा उठाएं। इसे 16 बार दोहराएं।

सपाट पेट व कमर को सही आकार देने के लिए व्यायाम

पीठ के बल लेट जाएं व हाथों को सिर के पीछे ले जाएं। टांगें मोड़ते हुए पैरों के तलवों से जमीन पर दबाव डालें जिससे कि दोनों टांगों के बीच कुछ फासला आ जाए। अब बायीं कुहनी को ऊपर की ओर उठाएं व दाएं घुटने की तरफ झुकें फिर वापिस जाएं। इसे 12 बार दोहराएं। अब दाएं पांव को जमीन से दो इंच ऊपर की ओर उठाएं और बायीं कुहनी को दाएं घुटने की तरफ सामने 16 बार लाएं। अब इन व्यायामों को दूसरी तरफ से दोहराएं। पीठ के बल लेट जाएं। दोनों टांगों को ऊपर की ओर उठाते हुए घुटनों को 90 डिग्री पर मोड़ लें। टखनों को क्रास कर लें तथा घुटनों के बीच करीब आधा इंच का फासला रखें। अब धीरे-धीरे शरीर के निचले हिस्से को जितना ऊपर उठा सकती हैं, उठाने का प्रयास करें। सर्वोत्तम परिणाम के लिए पेट को व्यायाम के दौरान अंदर ही रखें।

जांघों की मजबूती के लिए व्यायाम

इसके लिए सबसे पहले बायीं तरफ करवट लेकर लेट जाएं, शरीर के ऊपरी हिस्से को कुहनी पर टिकाते हुए। अब दायीं टांग को इस तरह मोड़ें जिससे कि घुटना ऊपर की तरफ इशारा करता हुआ हो। अब दाएं पांव को हल्के मुड़े घुटने के पीछे ले आएं पेट अंदर की तरफ रखते हुए। ध्यान रहे कि बायां पांव छत की तरफ इशारा करता हुआ हो। बायीं टांग को काफी ऊंचा उठाएं। इसे 24 बार दोहराएं। अब दूसरी तरफ से इसे करें।

ऊपरी बाजू के लिए व्यायाम

ऊपरी बाजू में वही पहले जैसा खिंचाव व सही शेप देने के लिए व्यायाम बहुत ही कारगर सिद्ध हो सकता है। कुरसी के किनारे बैठ जाएं व दोनों हाथों से कुरसी के किनारे थाम लें। कुरसी पर बैठे-बैठे ही आगे की तरफ बढ़ें जब तक कि आप कुरसी से नीचे न आ जाएं। अब धीरे-धीरे शरीर के ऊपरी भाग को ऊपर व नीचे ले जाएं, बाजुओं को मोड़ते व सीधा करते हुए। इसे 12 बार दोहराएं।

खोखले दावे करते स्लिमिंग सेंटर आज हर गली-कूचे में खुलते ही जा रहे हैं और लोग यहां आकर अपना समय व पैसा दोनों बरबाद कर रहे हैं। लोग इन सेंटरों में इस आशा के साथ आते हैं कि एक दिन वह भी आकर्षक नजर आएंगे। यहां हम आपको अपने को फिट व चुस्त रखने के कुछ व्यायाम बता रहे हैं जिन्हें आप घर में ही आजमा कर आकर्षक दिखने का अपना सपना बिना इन सेंटरों में धन और समय गंवाए ही पूरा कर सकते हैं।

मनीष मल्होत्रा का बोले चूड़ियां से प्रेरित नया आउटफिट

न्यासा देवगन को बनाया अपनी मॉडल

मशहूर कॉस्ट्यूम डिजाइनर मनीष मल्होत्रा अपनी बेहतरीन कारीगरी और टाइमलेस डिजाइन को लेकर जाने जाते हैं। उनके बनाए कपड़े काफी समय तक लोगों के दिलों में खास जगह बनाए हुए हैं। हाल ही में मनीष ने एक नया आउटफिट तैयार किया है। मनीष का कहना है कि यह आउटफिट फिल्म कभी खुशी कभी गम के मशहूर गाने बोले चूड़ियां में करीना की ड्रेस से प्रेरित है। यह ड्रेस आज भी पॉपुलर है। मनीष ने इस नए वर्जन की ड्रेस के लिए मॉडल के तौर पर अजय देवगन और काजोल की लाडली न्यासा देवगन को रखा। उन्होंने यह ड्रेस न्यासा पर ट्राई की, जिसकी तस्वीर इंस्टाग्राम पर पोस्ट की।

मनीष ने लिखा, साल 2001 में आई फिल्म कभी खुशी कभी गम का गाना बोले चूड़ियां भारतीय शादियों में संगीत की परंपरा शुरू करने वाला माना जाता है। इस गाने में पूरा परिवार सज-धजकर डांस करता है। करण जौहर की इस फिल्म में करीना के कपड़े 25 साल बाद भी पॉप कल्चर का हिस्सा हैं और लोग उन्हें याद करते हैं।

मनीष ने आगे बताया कि कई सालों से उनके यहां बोले चूड़ियां से प्रेरित आउटफिट बनते रहे हैं। इन ड्रेस को मॉडल अनीता कुमार से लेकर दुनिया भर के ग्राहकों ने पहना है। अब 2025-26 के नए वर्जन में न्यासा देवगन इस लुक में बेहद आकर्षक दिख रही हैं।

मनीष ने करियर को लेकर बताया, मैंने साल 1990 में कॉस्ट्यूम डिजाइनिंग से शुरुआत की थी। फिल्मों में कई नए स्टाइल शुरू किए, जो बाद में आम भारतीय फैशन का हिस्सा बन गए। अलग-अलग पीढ़ियों में इन डिजाइनों के नए रूप देखने को मिले हैं। इसी वजह से ये कॉस्ट्यूम हमेशा यादगार और टाइमलेस बने रहते हैं।

बता दें कि साल 2001 में रिलीज हुई फिल्म कभी खुशी कभी गम में करीना का स्टाइलिश और ग्लैमरस किरदार काफी आइकॉनिक था, जो आज भी सोशल मीडिया पर ट्रेंड करता रहता है। उनके किरदार के डांस, डायलॉग, बोल्ड और फैशन-फॉरवर्ड आउटफिट्स से आज की जेनजी भी रिलेट करती हैं।

पति पत्नी और वो दो

अब 15 मई को रिलीज हो रही सारा अली - आयुष्मान की फिल्म

अली खान-आयुष्मान खुराना की आगामी फिल्म पति पत्नी और वो दो अब होली के मौके पर रिलीज नहीं होगी। पति पत्नी और वो दो के मेकर्स ने फिल्म की रिलीज डेट को आगे बढ़ाने का फैसला किया है। ट्रेड एनालिस्ट तरण आदर्श ने इसकी पुष्टि की है।

तरण आदर्श ने सोशल मीडिया के जरिए पति पत्नी और वो दो के बारे में अपडेट दिया। ट्रेड एनालिस्ट ने बताया कि फिल्म अपने पहली डेट पर रिलीज नहीं होगी। उन्होंने अपने पोस्ट में लिखा है, पति पत्नी और वो दो को नई रिलीज डेट मिल गई है। प्रजापति पांडे की दुनिया में आपका स्वागत है। आयुष्मान खुराना, सारा अली खान, वामिका गब्बी और रकुल प्रीत सिंह पति पत्नी और वो दो के लिए टीम में शामिल हुए हैं।

पति पत्नी और वो दो को नई रिलीज डेट मिल गई है। अब 15 मई 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए शेड्यूल की गई है। प्रजापति पांडे की दुनिया में आपका स्वागत है। आयुष्मान खुराना, सारा अली खान, वामिका गब्बी और रकुल प्रीत सिंह पति पत्नी और वो दो के लिए टीम में शामिल हुए हैं।

हाल ही में, एक मीडिया रिपोर्ट में बताया गया था कि यह फिल्म 4 मार्च को रिलीज नहीं होगी क्योंकि इसका पोस्ट-प्रोडक्शन अभी पूरा नहीं हुआ है और एक गाना भी शूट होना बाकी है। रिपोर्ट में कहा गया है कि मेकर्स इस प्रोसेस में जल्दबाजी नहीं करना चाहते थे और यह पक्का करने के लिए समय और मेहनत देना चाहते थे कि फाइनल प्रोडक्ट दर्शकों के लिए मनोरंजक और आकर्षक हो।

यह फिल्म डायरेक्टर मुदस्सर अजीज की पहली किस्त के बाद इस फ्रैंचाइजी में वापसी है, जिसमें कार्तिक आर्यन, भूमि पेडनेकर और अनन्या पांडे थे। इस बार, कहानी में एक नई कास्ट और ज्यादा मजेदार कॉमेडी सिचुएशन के साथ एक नया ट्विस्ट होने का वादा किया गया है। यह फिल्म लव, ह्यूमर और कंफ्यूजन से भरी होगी। इसे भूषण कुमार और रेनू रवि चोपड़ा ने प्रोड्यूस किया है, जिसमें जूनो चोपड़ा क्रिएटिव प्रोड्यूसर हैं।

उस्ताद भगत सिंह के खलनायक पार्थिबन का पहला लुक जारी

पावर स्टार पवन कल्याण की सबसे महत्वाकांक्षी फिल्म उस्ताद भगत सिंह से प्रशंसकों को काफी उम्मीदें हैं। निर्देशक हरीश शंकर द्वारा निर्देशित यह एक्शन एंटरटेनर 26 मार्च, 2026 को भव्य रिलीज के लिए तैयार है। फिलहाल, फिल्म का पोस्ट-प्रोडक्शन कार्य तेजी से चल रहा है। इस फिल्म में पवन कल्याण के साथ श्रीलीला और राशि खन्ना नायिकाओं की भूमिका निभा रही हैं। हाल ही में, फिल्म टीम ने इस फिल्म के खलनायक के किरदार का पहला लुक जारी किया, जो सोशल मीडिया पर खूब चर्चा का विषय बना। तमिल अभिनेता पार्थिबन इस फिल्म में खलनायक की भूमिका में नजर आएंगे।

रिलीज़ हुए कैरेक्टर पोस्टर में पार्थिबन बेहद डरावने और दमदार अंदाज़ में नज़र आ रहे हैं और काफी प्रभावशाली हैं। फिल्म में उनके किरदार का नाम नल्ला नागप्पा है। पहले लुक से ही साफ है कि पार्थिबन का राजनीतिक नेता का किरदार कहानी में अहम भूमिका निभाने वाला है। खासकर, दर्शक यह देखने के लिए उत्सुक हैं कि निर्देशक हरीश शंकर ने पवन कल्याण और पार्थिबन के बीच टकराव के दृश्यों को किस तरह फिल्माया है। रॉकस्टार देवी श्री प्रसाद इस बड़े बजट की फिल्म का संगीत दे रहे हैं, जिसका निर्माण मैत्री मूवी मेकर्स कर रहे हैं। रिलीज़ हो चुका पहला गाना अच्छा रिस्पॉन्स पा चुका है और मेकर्स जल्द ही दूसरा गाना रिलीज़ करने की योजना बना रहे हैं। निर्देशक दशरथ कहानी लेखन की जिम्मेदारी संभाल रहे हैं।

इस फिल्म में आशुतोष राणा, गौतमी, नागा महेश, टेम्पर वामसी, केजीएफ फेम अविनाश और अन्य कलाकार महत्वपूर्ण भूमिकाओं में हैं। विशाल कलाकारसमूह, दमदार एक्शन और राजनीतिक पृष्ठभूमि से सजी यह फिल्म 2026 की सबसे बहुप्रतीक्षित फिल्मों में से एक है। अब देखना यह है कि रिलीज से पहले खलनायक के फर्स्ट लुक से चर्चा में आई उस्ताद भगत सिंह बॉक्स ऑफिस पर क्या धमाल मचाएगी।

मम्मी-पापा की 40वीं सालगिरह पर टूर गाइड बनीं श्रिया पिलगांवकर

वियतनाम में मनाया जश्न

मशहूर अभिनेत्री श्रिया पिलगांवकर हाल ही में अपने माता-पिता के साथ वियतनाम की सैर करके वापस लौटी हैं। उन्होंने बताया कि पेरेंट्स के साथ किसी ट्रिप पर जाना फिल्म बनाने से कम नहीं है। पिलगांवकर ने इंस्टाग्राम पर कुछ झलकियां शेयर कीं, जिसमें वे अपने माता-पिता के साथ खूब मजे करती नजर आ रही हैं।

श्रेया ने लिखा, जब मम्मी-पिता ही बच्चों जैसे बन जाएं, तब परिवार के साथ छुट्टियां किसी फिल्म से कम नहीं लगतीं। थोड़ी भागदौड़ और हलचल तो होती है, लेकिन यही पल सबसे प्यारी यादें बन जाते हैं। माता-पिता को घुमाने ले जाना बहुत खास एहसास देता है। श्रिया ने आगे बताया, परिवार के साथ छुट्टियां प्लान करना आसान नहीं होता, इसलिए मौका मिले तो हम उसे कभी हल्के में नहीं लेते। हाल ही में मम्मी-पापा की शादी की 40वीं सालगिरह थी तो मैंने एक छोटा सा ट्रिप प्लान किया। इस दौरान मैं उनकी पूरी टूर गाइड बनी रही।

तस्वीरों में वियतनाम की खूबसूरत जगहों पर परिवार की मस्ती साफ दिख रही है। यह ट्रिप उनके लिए बेहद यादगार साबित हुई।

बता दें कि श्रिया पिलगांवकर 90 के दशक के अभिनेता सचिन पिलगांवकर और अभिनेत्री सुप्रिया पिलगांवकर की बेटी हैं। श्रेया ने भी अपने माता-पिता की तरह सिनेमा की दुनिया में अपने करियर को बनाने का फैसला लिया। बचपन से ही श्रेया फिल्मों में बतौर चाइल्ड आर्टिस्ट काम करती रहीं और छोटे किरदारों के जरिए अपने अभिनय को निखारा।

साल 2010 में श्रेया ने चल चलिए नाम की शॉर्ट फिल्म से अपने करियर की शुरुआत की थी। इसके बाद उन्होंने एक कुल्ली जैसी कुछ कहानियों के जरिए अपना नाम बनाने की कोशिश की है।

अभिनेत्री जल्द ही फिल्म हैवान में नजर आने वाली हैं। फिल्म की शूटिंग पूरी हो गई है। इस बात की जानकारी उन्होंने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट के जरिए दी थी। इस फिल्म की शूटिंग के कुछ भाग ऊंटी में शूट किए गए थे। फिल्म में सैफ अली खान और अक्षय कुमार साथ में नजर आएंगे। दोनों लगभग 18 सालों के बाद स्क्रीन पर साथ नजर आएंगे, जिसे देखने के लिए प्रशंसक और भी ज्यादा उत्साहित हैं।

नमक से जुड़े इन 5 भ्रमों को सच मानते हैं लोग, जानिए इनकी सच्चाई

नमक के बारे में कई भ्रम प्रचलित हैं, जो लोगों को भ्रमित करते हैं और सही निर्णय लेने से रोकते हैं। इन भ्रमों की जड़ें वैज्ञानिक तथ्यों से दूर होती हैं और ये हमारे खाने और सेहत पर गलत असर डाल सकते हैं। इन भ्रमों को दूर करना जरूरी है, ताकि लोग सही जानकारी के आधार पर अपने खाने में नमक का उपयोग कर सकें। आइए नमक से जुड़े 5 भ्रमों और उनकी सच्चाई के बारे में जानते हैं।

भ्रम - नमक खाने से बढ़ता है ब्लड प्रेशर

यह सबसे आम भ्रम है कि नमक खाने से ब्लड प्रेशर बढ़ता है। हालांकि, यह पूरी तरह सच नहीं है। ज्यादा मात्रा में नमक का सेवन करने से ब्लड प्रेशर का खतरा बढ़ सकता है, लेकिन सामान्य मात्रा में नमक खाने से ऐसा कोई असर नहीं होता। इसके लिए संतुलित आहार और नियमित व्यायाम जरूरी हैं, ताकि ब्लड प्रेशर नियंत्रित रहे। नमक का सेवन संतुलित मात्रा में करना चाहिए, ताकि इस परेशानी से बचा जा सके।

भ्रम - समुद्री नमक सेहत के लिए होता है बेहतर

कई लोग मानते हैं कि समुद्री नमक सेहत के लिए बेहतर होता है, जबकि यह सिर्फ एक भ्रम है। दोनों प्रकार के नमक, चाहे वह समुद्री नमक हो या साधारण नमक, शरीर को जरूरी आयोडीन प्रदान करते हैं। आयोडीन की कमी से थायराइड जैसी समस्याएं हो सकती हैं। इसलिए, आयोडीन युक्त नमक का सेवन करना जरूरी है। दोनों प्रकार के नमक में आयोडीन की मात्रा समान होती है और दोनों ही शरीर को जरूरी पोषण प्रदान करते हैं।

भ्रम- नमक का सेवन बढ़ाता है मोटापा

एक और भ्रम यह है कि नमक का सेवन मोटापा बढ़ाता है। सच यह है कि मोटापा मुख्य रूप से असंतुलित आहार और शारीरिक गतिविधियों की कमी के कारण होता है। अगर आप संतुलित आहार लेते हैं और नियमित व्यायाम करते हैं तो नमक का सेवन मोटापा नहीं बढ़ाएगा। इसलिए, इस भ्रम पर ध्यान न दें और अपने खाने में संतुलन बनाए रखें, ताकि आप स्वस्थ रह सकें और पतले रह सकें।

भ्रम - डाइटिंग करने वालों को नहीं खाना चाहिए नमक

डाइटिंग करने वालों को यह डर रहता है कि कहीं उनका वजन न बढ़ जाए, इसलिए वे नमक नहीं खाते। हालांकि, संतुलित मात्रा में नमक खाना फायदेमंद होता है। इसकी मदद से शरीर को जरूरी मिनरल मिलते हैं, जो सेहत के लिए फायदेमंद होते हैं। इसलिए, डाइटिंग करने वालों को बिल्कुल भी घबराने की जरूरत नहीं है और उन्हें अपने खाने में थोड़ी मात्रा में नमक शामिल करना ही चाहिए।

भ्रम - नमक में नहीं होता कोई पोषण मूल्य

कुछ लोग मानते हैं कि नमक में कोई पोषण मूल्य नहीं होता, जबकि यह पूरी तरह गलत है। नमक में आयोडीन नामक मिनरल पाया जाता है, जो थायराइड ग्रंथि के लिए बहुत जरूरी होता है। आयोडीन की कमी से थायराइड ग्रंथि प्रभावित होती है, जिससे कई स्वास्थ्य समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं। इसलिए, नमक में मौजूद आयोडीन की अहमियत समझना जरूरी है, ताकि थायराइड जैसी समस्याओं से बचा जा सके।

पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय दुर्ग में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर हुआ सम्मान

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय, दुर्ग में आज अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस का गरिमामय आयोजन किया गया। कार्यक्रम का संचालन पुरुषोत्तम साहू ने किया, जबकि अध्यक्षता उप्राचार्य पुष्पा बड़ा ने की। मंच पर वरिष्ठ शिक्षिकाएँ नीता दास, नीना खत्री, सतविंदर कौर एवं उषा शर्मा विराजमान रहीं।

कार्यक्रम का शुभारंभ डॉ. अजय आर्य ने अपनी दो कविताओं के प्रभावपूर्ण पाठ से किया। अपनी कविताओं के माध्यम से उन्होंने कहा कि हम अक्सर चौक-चौराहों, नुक्कड़ सभाओं और बड़े-बड़े मंचों पर महिला दिवस मनाते हैं, किंतु कभी-कभी हमें अपने घर में भी महिला दिवस मनाने की पहल करनी चाहिए। यदि हम महिलाओं के श्रम और उनके दैनिक कार्यों को समझते हुए उनके दिनचर्या को थोड़ा सहज और सरल बनाने का प्रयास करें, तो यही सच्चे अर्थों में महिला दिवस का सम्मान होगा। इस अवसर पर कमल सोनी, नीता दास, रामाशीष चौहान, उवर्शी, शिल्पा ओझा तथा प्रणव नारायण सोनी सहित अन्य वक्ताओं ने भी अपने विचार व्यक्त किए।

अध्यक्षीय उद्बोधन में उप्राचार्य पुष्पा बड़ा ने कहा कि केंद्रीय विद्यालय का पुरुष समाज अत्यंत संवेदनशील है। बिना किसी पूर्व सूचना के इस प्रकार का कार्यक्रम आयोजित कर उन्होंने महिलाओं को सम्मानित किया, जो अत्यंत सराहनीय पहल है। उन्होंने कहा कि यदि हम अपने घरों में छोटे-छोटे सकारात्मक परिवर्तन करें, तो निश्चित ही समाज को सही दिशा मिल सकती है। उन्होंने डॉ. अजय आर्य की दोनों कविताओं की विशेष प्रशंसा करते हुए कहा कि वे घर में महिला दिवस मनाने और महिलाओं की रुचियों का सम्मान करने की प्रेरणा देती हैं।

कार्यक्रम के अंत में सभी महिला शिक्षिकाओं एवं कमर्चारियों को पुरुष साथियों द्वारा लेखनी (पेन) भेंट कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर गीता माली, बंदिनी साहू, रचना पाल, संजू कुमारी, डॉ. श्रावणी सिंह, तरुणा संकरी, नीति यादव, रेशु काकरान, समीक्षा, मोनिका, मेघा यादव, जागृति सिंह, ज्योति, शहनाज, मोनिका श्रीवास्तव, कल्पना कौशले, शिल्पा ओझा, चंद्रकला, श्वेता गनवीर, संतोषी साहू, भारती साहू, प्रिया सहित अन्य महिलाओं को सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम के आयोजन में रामाशीष चौहान, संजय कुमार चतुर्वेदी, एम. ए. नंदनवार, तोशन लाल साहू, फेबुलस एक्का, पुरुषोत्तम साहू, धर्मेंद्र यादव, राजेश चंद्राकर, आशुतोष सिंह, कमल नारायण सोनी, प्रणव नारायण सोनी, गणेश भंवरीलाल ओझा, कन्हैयालाल वैद्य, नितिन, अमित तथा गौतम राम आदि की प्रमुख भूमिका रही।

विनायक ताम्रकार भाजपा से निलंबित

रायपुर। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष किरण देव ने अफीम की खेती का खुलासा होने के बाद राइस मिल प्रसंस्करण प्रकल्प किसान मोर्चा के संयोजक विनायक ताम्रकार को पार्टी से निलंबित कर दिया है। निलंबन आदेश में कहा गया है कि भारतीय जनता पार्टी की छवि धूमिल हुई है। आपका यह कृत्य पार्टी अनुशासनहीनता करने की श्रेणी में आता है। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेशाध्यक्ष किरण सिंह देव ने आपको उपरोक्त कृत्य के लिए पार्टी से निलंबित कर दिया है। यह आदेश तत्काल प्रभाव से लागू होगा।

सुदूर वनांचल कापू में प्रशासन पहुंचा जनता के द्वार

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

सुदूर वनांचल क्षेत्र के नागरिकों तक शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाने और उनकी समस्याओं के त्वरित समाधान के उद्देश्य से जिला प्रशासन द्वारा ह्लप्रशासन पहुंचेगा जनता के द्वारह्व अभियान के तहत विकासखंड धरमजयगढ़ के तहसील मुख्यालय कापू स्थित मिडिल स्कूल प्रांगण में जिला स्तरीय जनसमस्या निवारण शिविर आयोजित किया गया। शिविर में बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने अपनी मांग एवं शिकायतें दर्ज कराई, जिनमें से कई आवेदनों का मौके पर ही निराकरण किया गया। शिविर का अवलोकन कलेक्टर श्री मयंक चतुर्वेदी एवं स्थानीय जनप्रतिनिधियों द्वारा किया गया। कलेक्टर ने विभागीय अधिकारियों को शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं के तहत पात्रतानुसार अधिक से अधिक लोगों को लाभान्वित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि कोई भी पात्र व्यक्ति योजना के लाभ से वंचित नहीं रहना चाहिए।

कलेक्टर श्री चतुर्वेदी ने तत्काल निराकरण नहीं होने वाले आवेदनों की जांच कर नियमानुसार निर्धारित समय-सीमा के भीतर निराकरण करने तथा आवेदकों को इसकी सूचना उपलब्ध कराने के निर्देश भी दिए। उन्होंने कहा कि शिविरों का उद्देश्य केवल आवेदन प्राप्त करना नहीं, बल्कि अधिकाधिक प्रकरणों का मौके पर ही समाधान सुनिश्चित करना है, ताकि आम नागरिकों को शासकीय कार्यालयों के अनावश्यक चक्कर न लगाने पड़ें और प्रशासन के प्रति विश्वास भी सुदृढ़ हो। शिविर में स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने भी अपने विचार व्यक्त करते हुए आमजनों से विभागीय स्टॉलों का भ्रमण कर शासन की योजनाओं की जानकारी प्राप्त करने तथा पात्रतानुसार लाभ उठाने का आग्रह किया।

शिविर में राजस्व, पंचायत एवं ग्रामीण विकास, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी, कृषि, ग्रामीण यांत्रिकी सेवा, लोक निर्माण विभाग, प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना, महिला एवं बाल विकास, स्वास्थ्य, चिप्स, शिक्षा, आदिवासी विकास, वन, समाज कल्याण, श्रम, मछली पालन एवं पशुधन विकास सहित विभिन्न विभागों द्वारा स्टॉल लगाए गए। विभागीय अधिकारियों ने हितग्राहियों को योजनाओं की जानकारी देते हुए पात्रतानुसार लाभ लेने के लिए प्रेरित किया।

स्वास्थ्य विभाग के स्टॉल में 170 जरूरतमंद लोगों की निःशुल्क स्वास्थ्य जांच की गई तथा दवाइयों का वितरण किया गया। इसके अलावा 07 से अधिक लोगों के आयुष्मान कार्ड बनाए गए, 35 लोगों की टीबी जांच की गई, 100 महिलाओं की एनसीडी जांच की गई तथा 83 लोगों को दवाइयों का वितरण किया गया। शिविर में 40 से अधिक आधार कार्ड भी बनाए गए। श्रम विभाग द्वारा श्रमिकों के श्रम कार्ड बनाए गए, खाद्य विभाग द्वारा राशन कार्ड तथा समाज कल्याण विभाग द्वारा सामाजिक पेंशन की स्वीकृति प्रदान की गई। शिविर में अलग-अलग विभागों के लिए पंजीयन काउंटर बनाए गए थे, जिससे लोगों को आसानी से अपनी समस्याएं दर्ज कराने में सुविधा हुई। साथ ही शिविर स्थल पर पेयजल, छाया सहित सभी आवश्यक व्यवस्थाएं भी सुनिश्चित की गई थीं।

शिविर के दौरान कई हितग्राहियों को विभिन्न योजनाओं के तहत लाभान्वित किया गया। इनमें 05 हितग्राहियों को प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत स्वीकृति प्रदान की गई। महिला स्व-सहायता समूह कुमरता को खेती कार्य के लिए 02 लाख रुपये तथा जय भीम समूह कापू को आजीविका गतिविधियों के लिए 2.50 लाख रुपये की सहायता प्रदान की गई। इसके साथ ही 10 बच्चों को स्थायी जाति प्रमाण पत्र, 15 किसानों को मृदा स्वास्थ्य कार्ड तथा 20 से अधिक हितग्राहियों को राशन कार्ड वितरित किए गए।

मत्स्य विभाग अंतर्गत दो हितग्राहियों को मछली जाल एवं दो हितग्राही को आईस बाक्स प्रदाय किया गया। समाज कल्याण विभाग द्वारा मोतीराम को छड़ी उपलब्ध कराई गई, जिससे उनके चेहरे पर खुशी झलक उठी। योजनाओं का लाभ प्राप्त होने पर हितग्राहियों ने शासन-प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त किया। शिविर में आवास, शौचालय, पेयजल, सड़क, स्कूल, आंगनबाड़ी, अस्पताल तक सड़क निर्माण, आधार पंजीयन तथा राजस्व प्रकरणों सहित विभिन्न विषयों से संबंधित आवेदन प्राप्त हुए। जिला प्रशासन द्वारा प्राप्त आवेदनों पर नियमानुसार त्वरित कार्यवाही सुनिश्चित की जा रही है।

महिला सशक्तिकरण और आत्मनिर्भरता की प्रेरक मिसाल बनी जानकी बाई

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

जब महिलाएं सशक्त होती हैं, तो वे अद्भुत काम कर सकती हैं। वे शिक्षा प्राप्त कर सकती हैं, किसी भी क्षेत्र में काम कर सकती हैं और अपने लिए निर्णय ले सकती हैं। इससे न केवल उन्हें लाभ होता है, बल्कि परिवार और समुदाय भी मजबूत होते हैं। महिला सशक्तिकरण और आत्मनिर्भरता की प्रेरक मिसालें यह दर्शाती हैं कि शिक्षा, दृढ़ संकल्प और आर्थिक स्वतंत्रता से महिलाएं न केवल अपना भाग्य बदल सकती हैं, बल्कि समाज में भी क्रांतिकारी परिवर्तन ला सकती हैं।

धमतरी जिले के कुरूद विकासखंड के ग्राम खर्रा की निवासी जानकी की सफलता की कहानी आज महिला सशक्तिकरण और आत्मनिर्भरता की प्रेरक मिसाल बन चुकी है। कभी एक साधारण गृहिणी के रूप में खेती-बाड़ी में परिवार का सहयोग करने वाली जानकी आज एक सफल व्यवसायी के रूप में अपनी अलग पहचान बना चुकी हैं। उनकी इस उपलब्धि के पीछे ग्रामीण आजीविका मिशन की ह्यबिहानह्ल योजना से मिला मार्गदर्शन और उनकी निरंतर मेहनत है। जानकी ने जय मां गायत्री महिला स्व-सहायता समूह से जुड़कर आर्थिक गतिविधियों के बारे में जानकारी प्राप्त की। समूह के माध्यम से उन्हें बचत, बैंकिंग और स्व-रोजगार के अवसरों के बारे में जागरूकता मिली। इसके बाद उन्होंने सामुदायिक निवेश निधि (सीआईएफ) से प्राप्त ऋण की सहायता से कपड़ा व्यवसाय की शुरुआत की। मेहनत और ग्राहकों के विश्वास से उनका व्यवसाय धीरे-धीरे आगे बढ़ता गया।

समूह के बैंक लिंकेज के माध्यम से अतिरिक्त ऋण प्राप्त कर उन्होंने अपने व्यवसाय का विस्तार करते हुए फैंसी स्टोर की शुरुआत की। इसके बाद मुद्रा योजना के तहत ऋण लेकर उन्होंने जूते-चप्पल की दुकान भी खोल ली।

दुर्ग में अफीम की खेती मामले में हो उच्च स्तरीय जांच - भूपेश बघेल

खेत का निरीक्षण कर की दोषी पर कड़ी कार्रवाई की मांग, कहा सप्लाई के नेटवर्क का भी होना चाहिए खुलासा

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

दुर्ग जिले के समोदा गांव में भाजपा नेता के खेत में अफीम की अवैध खेती के खुलासा होने के बाद आज पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल मौके पर पहुंचे। इस दौरान उन्होंने कहा कि इस पूरे मामले की उच्च स्तरीय जांच होनी चाहिए। जांच कर दोषी के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करते हुए नशे के नेटवर्क का भी खुलासा किया जाना जरूरी है। श्री बघेल के आने की सूचना पर भारी संख्या में ग्रामीण भी खेत में पहुंच गए, जिन्हें पुलिस ने रोकने की कोशिश की। इस दौरान पुलिस और ग्रामीणों के बीच झूमाझटकी भी हुई। इलाके में भारी पुलिस बल तैनात है। वहीं मामला उजागर होते ही भाजपा ने खेत के मालिक और संगठन में किसान मोर्चा पदाधिकारी विनायक ताम्रकार को पार्टी से निलंबित कर दिया है।

खेत में अफीम बोये जाने की पुलिस को सूचना मिलने के बाद 6 मार्च को जिला व पुलिस प्रशासन ने छापामार कार्यवाही शुरू किया था। जिसमें करीब डेढ़ एकड़ में अफीम के पौधे बरामद हुए। अंधेरा हो जाने से रात में कार्यवाही रोक दिया गया। आज फिर से जिला व पुलिस प्रशासन की टीम ने आबकारी, एफएसएल और कार्यपालक मजिस्ट्रेट की मौजूदगी में अपनी जांच की कार्यवाही को जारी रखा। इसी दौरान पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल वहां पहुंचे। श्री बघेल ने कहा कि भाजपा नेता विनायक ताम्रकार के अवैध कारोबार को बच्चों ने भंडाफोड़ कर दिखाया है। होलिका दहन के लिए लकड़ी चुनने आए बच्चों ने अनूठे तरह के फूल और फल लगे पौधों का वीडियो बनाकर वायरल नहीं किया होता तो अफीम की खेती का पता नहीं लगता। उन्होंने कहा कि 9 मार्च को विधानसभा में वे इस मामले में ध्यानाकर्षण प्रस्ताव लाएंगे। उल्लेखनीय है कि जेवरा सिरसा थाना क्षेत्र के ग्राम समोदा में मधुमति ताम्रकार और प्रीति बाला ताम्रकार के खेत में अफीम की खेती की जा रही थी। यहां ऊपर से मक्का और बीच में अफीम साथ में बोई गई। इतने बड़े पैमाने पर अफीम की खेती से जिला प्रशासन व पुलिस प्रशासन सकते में हैं। फिलहाल खेत के मालिक विनायक ताम्रकार व यहां खेती करने वाले राजस्थानी व्यक्तियों को पुलिस ने हिरासत में लिया है।

दरअसल अफीम की खेती का जानकारी गांव के सरपंच अरुण गौतम को वाट्सएप पर एक फोटो देखकर शक हुआ। इसके बाद गूगल मैप से इसकी जांच की गई तो अफीम की खेती की पुष्टि हुई। 5 मार्च को सरपंच के माध्यम से जेवरा सिरसा पुलिस चौकी में सूचना दी गई और फोटो भी भेजे गए। सरपंच ने पुलिस को बताया कि मक्के की फसल की आड़ में अफीम की खेती की जा रही थी। सूचना मिलने के बाद पुलिस व प्रशासन की टीम ने रेड की। शुक्रवार को रात होने के कारण जांच रोकी गई है। शनिवार को फिर से खेत की जांच शुरू की गई।

पुलिस के अनुसार ग्राम समोदा और झेंजरी के पास स्थित खसरा नंबर 310 की यह जमीन मधुमति ताम्रकार और प्रीति बाला ताम्रकर की है। कुल 9 एकड़ 92 डिसमिल जमीन पर खेती हो रही है। जब पुलिस मौके पर पहुंची तो पाया कि डेढ़ से दो एकड़ जमीन पर अफीम की फसल है। 4 से 5 एकड़ में मक्के की फसल लगी हुई है और इसके बीच अफीम की खेती की जा रही थी। पुलिस को मक्के की फसल के बीच अफीम के पौधे लगे मिले। इसके बाद पुलिस ने मौके पर तहसीलदार और आरआई को बुलाया। इसके बाद कलेक्टर और प्रशासन की टीम भी खेत में पहुंची। खेत में लगी फसल का निरीक्षण किया गया और सैंपल इकट्ठे किए गए।

समोदा गांव के सरपंच अरुण गौतम ने बताया कि यह जमीन विनायक और बृजेश ताम्रकार की है। उनके परिवार के कई लोगों के नाम पर यह जमीन दर्ज है। उन्होंने बताया कि दो दिन पहले ही उन्हें इसकी जानकारी मिली थी, जिसके बाद तुरंत पुलिस को सूचना दी गई। व्हाट्सऐप पर एक फोटो आने के बाद ही इस खेती के बारे में पता चला।

गणेश शंकर मिश्रा ने की विस अध्यक्ष से मुलाकात

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

राज्य नीति आयोग के उपाध्यक्ष केबिनेट दर्जा प्राप्त गणेश शंकर मिश्रा ने शनिवार को माना एयरपोर्ट में स्वास्थ लाभ लेकर लौटे पूर्व मुख्यमंत्री व विस अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह से सौजन्य मुलाकात की। गणेश शंकर मिश्रा ने डॉक्टर रमन के दीर्घायु और स्वस्थ रहने की कामना की है।

महंगाई का झटका घरेलू और कमर्शियल सिलेंडर के दामों में वृद्धि

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

आम जनता पर महंगाई की एक और मार पड़ी है। तेल विपणन कंपनियों ने घरेलू और कमर्शियल एलपीजी गैस सिलेंडरों की कीमतों में बड़ी बढ़ोतरी करने का फैसला किया है। बढ़ी हुई कीमतें आज, यानी 7 मार्च 2026 से पूरे देश में प्रभावी हो गई हैं।

काफी समय के बाद घरेलू रसोई गैस (14.2 किग्रा) की कीमतों में एकमुश्त 60 का इजाफा किया गया है। इस बढ़ोतरी के बाद राजनांदगांव में सिलेंडर की कीमत(घरेलू 14.200 ग्राम) ? 937 से बढ़कर 997 हो गई है। वहीं (कामर्शियल 19) 1985 रु से बढ़कर 2100 रु हो गई है। गौरतलब है कि पिछले लगभग एक साल से घरेलू गैस की कीमतों में कोई बड़ा बदलाव नहीं देखा गया था, लेकिन वैश्विक बाजार में कच्चे तेल और गैस की कीमतों में अस्थिरता के चलते यह कदम उठाया गया है। व्यावसायिक इस्तेमाल वाले 19 किलोग्राम के कमर्शियल सिलेंडर की कीमतों में भी भारी उछाल आया है। इसकी कीमतों में 115.50 की वृद्धि की गई है। इस बढ़ोतरी से होटल, रेस्टोरेंट और ढाबा संचालकों की लागत बढ़ जाएगी, जिसका सीधा असर बाहर खाना खाने वाले आम उपभोक्ताओं की जेब पर पड़ना तय है।

क्यों बढ़े दाम ?

बाजार विशेषज्ञों के अनुसार, मध्य पूर्व में जारी भू-राजनीतिक तनाव और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्राकृतिक गैस की आपूर्ति में कमी आने के कारण भारत की तेल कंपनियों पर दबाव बढ़ा है। हालांकि, केंद्र सरकार की 'प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना' के तहत मिलने वाली ?300 की सब्सिडी जारी रहेगी, जिससे पात्र परिवारों को इस महंगाई से कुछ राहत मिल सकेगी। शहर के स्थानीय नागरिकों का कहना है कि होली के त्योहार से ठीक पहले गैस के दामों में यह बढ़ोतरी घरेलू बजट को पूरी तरह से बिगाड़ देगी।

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार भिलाई नगर, तहसील व जिला दुर्ग

-:: ईश्तहार::-

(रा.प्र. 202602101000245/ अ/6 वर्ष 2025-26)

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक इन्द्रजीत आ./ध.प. स्व. मनोहर लाल निवासी रामनगर सुपेला भिलाई द्वारा ग्राम कोहका प.ह.नं. 45 रा.नि.मं. कोहका तहसील व जिला दुर्ग स्थित भूमि खसरा नं. 9060/1 रकबा 0.0200 हे. भूमि को रजिस्ट्री बैनाम के आधार पर दिनांक 97-07-76 के आधार पर विक्रेता मारोवी राव आ. विट्ठलराव लाकुडकर से क्रय किया गया है, कि रजिस्ट्रीबैनामा के आधार पर नामांतरण किये जाने बाबत् आवेदन पत्र मय बैनामा की छायाप्रति प्रस्तुत किया गया है।

अतः उपरोक्त भूमि के संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति को आपत्ति या उजर दावा हो तो सुनवाई तिथि दिनांक 20/3/2026 तक या उसके पूर्व स्वयं या अपने मान्य अधिवक्तागण के साथ उपस्थित होकर अपना आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। निर्धारित तिथि के बाद प्राप्त आवेदन पत्र पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक/2026 को मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय के मुहर से जारी किया गया है।

अतिरिक्त तहसीलदार
भिलाई नगर

दुर्ग ग्रामीण जिला कांग्रेस में 6 जिला प्रवक्ताओं व 3 कार्यालय प्रभारियों की नियुक्ति

नियुक्ति के मामले में प्रदेश के जिलाध्यक्षों में अग्रणी हैं राकेश ठाकुर

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

प्रदेश कांग्रेस कमेटी के निर्देशानुसार एवं प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष दीपक बैज की सहमति से जिला कांग्रेस कमेटी दुर्ग (ग्रामीण) के अंतर्गत संगठन को और अधिक सशक्त एवं सक्रिय बनाने के उद्देश्य से जिला कांग्रेस अध्यक्ष राकेश ठाकुर द्वारा 6 जिला प्रवक्ताओं एवं 3 कार्यालय प्रभारियों की नियुक्ति की गई है। जारी नियुक्ति आदेश के अनुसार जिला कांग्रेस कमेटी दुर्ग (ग्रामीण) में टनेन्द्र ठाकरे, द्वारिका साहू, निमेश टिकरिहा, रजत नायक, विभुवन यदु एवं रामशंकर शुक्ला को जिला प्रवक्ता के पद पर नियुक्त किया गया है। ये सभी प्रवक्ता पार्टी की नीतियों, विचारधारा एवं कार्यक्रमों को मीडिया तथा आम जनता के बीच प्रभावी रूप से रखने का कार्य करेंगे।

इसी क्रम में संगठन के कार्यालय संचालन को व्यवस्थित एवं सुदृढ़ बनाने के लिए मोहित वालंदे, अभिषेक जांगड़े एवं जय साहू को जिला कांग्रेस कमेटी दुर्ग (ग्रामीण) का कार्यालय प्रभारी नियुक्त किया गया है। ये पदाधिकारी कार्यालयीन कार्यों के संचालन, कार्यक्रमों के समन्वय तथा संगठनात्मक गतिविधियों को सुचारू रूप से संचालित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। इस अवसर पर जिला कांग्रेस अध्यक्ष राकेश ठाकुर ने सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि कांग्रेस पार्टी जनसेवा और लोकतांत्रिक मूल्यों की मजबूत विचारधारा पर आधारित संगठन है। उन्होंने कहा कि सभी नवनियुक्त पदाधिकारी पार्टी की नीतियों और कार्यक्रमों को जन-जन तक पहुंचाने के लिए पूरी निष्ठा और सक्रियता के साथ कार्य करें तथा संगठन को जमीनी स्तर तक मजबूत बनाने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएं। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि सभी पदाधिकारी अपने दायित्वों का ईमानदारी और समर्पण के साथ निर्वहन करते हुए संगठन को और अधिक मजबूत बनाने का कार्य करेंगे।

गौरतलब है कि जिला कांग्रेस अध्यक्ष राकेश ठाकुर संगठन को मजबूत करने की दिशा में लगातार सक्रिय हैं। विगत एक सप्ताह के भीतर ही उन्होंने जिले के कुल 9 ब्लॉकों में से 4 ब्लॉकों की ब्लॉक कार्यकारिणी की घोषणा भी कर दी है। जिस तेजी और सक्रियता के साथ श्री ठाकुर संगठन का विस्तार कर रहे हैं, उसे देखते हुए वे प्रदेश में कार्यकारिणी घोषित करने के मामले में जिला अध्यक्षों की सूची में अग्रणी माने जा रहे हैं। संगठन के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं में भी इस तेज गति से हो रहे संगठन विस्तार को लेकर उत्साह का माहौल है।

भाजपाइयों की संलिप्तता से अवैध रेत उत्खनन और तस्करी जोरों पर, नदियों के अस्तित्व पर गंभीर संकट- कांग्रेस

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

नदियों में अवैध रेत और खनिज उत्खनन पर हाईकोर्ट की तल्खी पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ प्रवक्ता सुरेंद्र वर्मा ने कहा है कि इस प्रदेश सरकार के संरक्षण में ही रेत का अवैध कारोबार पूरे प्रदेश में पनपा है। भारतीय जनता पार्टी की सरकार और सत्ता के संरक्षण में ही गुंडागर्दी के दम पर नदियों को खाली कराने का खुला खेल चल रहा है। असंतुलित दोहन से पर्यावरण संकट उत्पन्न हो गया है, महानदी, अपरा, सबरी नदी सहित छत्तीसगढ़ की 19 नदियों की धाराएं प्रभावित हो रही हैं। न केवल स्थानीय बल्कि अंतरराज्यीय तस्करों का गिरोह बेखौफ होकर आंध्र, तेलंगाना, महाराष्ट्र, झारखंड, उत्तरप्रदेश और उड़ीसा में भी छत्तीसगढ़ से रेत तस्करी कर रहे हैं। बस्तर में वरिष्ठ पत्रकार बप्पी राय सहित 4 पत्रकारों के खिलाफ षडयंत्र कर झूठे केस में फसाने का मामला सर्वविदित है।

प्रदेश कांग्रेस कमेटी के वरिष्ठ प्रवक्ता सुरेंद्र वर्मा ने कहा है कि नियमतः 15 जून से 15 अक्टूबर तक नदियों में उत्खनन बंद रहता है लेकिन इस वर्ष भरी बरसात में भी रेत खदाने निर्बाध संचालित किए जाते रहे, चैन माउंटेन और पनडुब्बी पंप से रेत उत्खनन जारी रहा। पूर्ववर्ती कांग्रेस की सरकार के समय पूरी प्रक्रिया पारदर्शी थी। रेत खदानों की नीलामी के बाद खनिज विकास निगम के नियंत्रण में सभी रेत खदानों में निगरानी के लिए सीसीटीवी कैमरा लगाए गए थे जो भाजपा की सरकार आने के बाद से बंद कर दिए गए। जितने रेत खदान संचालित है उसे तीन गुना अधिक अवैध घाट चल रहे हैं। अवैध उत्खनन, अवैध भंडारण और ओवरलोडिंग परिवहन को सरकार का संरक्षण है। छत्तीसगढ़ के तमाम नेशनल हाईवे, राजकीय मार्ग, जिला सड़क और गांव में भी सरकारी जमीनों पर अवैध रेत भंडारण आज भी मौजूद हैं। कांग्रेस ने धमतरी, महासमुंद, बिलासपुर और जांजगीर चांपा सहित प्रदेश के 85 जगह पर अवैध रेत भंडारण के खिलाफ आंदोलन किया, हाई कोर्ट की सख्ती के बावजूद भी सत्ताधारी दल के सांठगांठ से अवैधता का कारोबार पूरे प्रदेश में निर्वाधित रूप से चल रहा है और उसी से ध्यान भटकाने के लिए यह सरकार झूठे दावे कर रही है।

प्रदेश कांग्रेस कमेटी के वरिष्ठ प्रवक्ता सुरेंद्र वर्मा ने कहा है कि यह सरकार पूरी तरह से रेत माफिया के कब्जे में है। इस सरकार में तस्करों के हौसले इतने बुलंद हैं कि 12 मई 2025 को बलरामपुर में एक कांस्टेबल को ट्रैक्टर से कुचलकर मार दिया गया, यह भाजपा के मंत्री राम विचार नेताम का क्षेत्र है, राजिम, गरियाबंद, करूंद और धमतरी में रेत माफिया की दबंगई सर्वविदित है। 16 जून 2025 को बलौदा बाजार में खनिज कर्मचारियों, अधिकारियों को बंधक बनाकर मारपीट किया गया, कांग्रेस इस मुद्दे पर लगातार आक्रामक रही, विधानसभा में भी स्थगन प्रस्ताव लाया गया लेकिन यह सरकार पूरी तरह से सरेंडर मोड़ पर है। कमीशन की काली कमाई में हिस्सेदारी के लालच में यह सरकार अवैध रेत के तस्करों को संरक्षण दे रही है, उच्च न्यायालय की कड़ी फटकार के बावजूद इस सरकार का रवैया शुतुरमुर्ग की तरह है।

पहली बार डोंगरगढ़ नवरात्रि मेले में लगेगा निजी चिकित्सालय का नि:शुल्क शिविर

राजनांदगांव। कलेक्टर जितेन्द्र यादव की अध्यक्षता में कलेक्टोरेट सभाकक्ष में चैत्र नवरात्रि पर्व के अवसर पर माँ बम्लेश्वरी मंदिर डोंगरगढ़ में आयोजित मेले में पहुंचने वाले श्रद्धालुओं एवं पदयात्रियों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए निजी चिकित्सालयों के संचालकों एवं प्रतिनिधियों की बैठक आयोजित की गई। कलेक्टर ने कहा कि 19 मार्च 2026 से प्रारंभ हो रहे चैत्र नवरात्रि मेले के दौरान बड़ी संख्या में डोंगरगढ़ पहुंचने वाले दर्शनार्थियों एवं श्रद्धालुओं को स्वास्थ्य सुविधाएं प्रदान करने के लिए शासकीय स्वास्थ्य केंद्रों के साथ-साथ निजी चिकित्सालय भी सहभागिता सुनिश्चित करें। उन्होंने सेवा पंडालों एवं प्रमुख मार्गों पर अस्थायी मेडिकल कैम्प, एम्बुलेंस सेवाएं और आपातकालीन ड्यूटी के लिए निजी चिकित्सालयों से सक्रिय सहयोग का आह्वान किया। उन्होंने बताया कि मेडिकल कैम्प की स्थापना प्रमुख मेला पंडालों में निजी चिकित्सालयों द्वारा की जाएगी। जहां प्राथमिक उपचार केन्द्र संचालित कर मेले के दौरान रोटेशन के आधार पर निजी चिकित्सकों एवं नर्सिंग स्टाफ की ड्यूटी लगाई जाएगी।

लू तापघात से बचाव व सावधानी

प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग ने जारी किया लू अलर्ट

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

जलवायु परिवर्तन एवं वैश्विक तापमान में औसत रूप से वृद्धि के कारण अप्रैल से जून माह के दौरान भीषण गर्मी पड़ने एवं हीटवेव (लू) चलने इत्यादि की बढ़ती हुई प्रवृत्ति प्रतिवर्ष देखी जाती है। इस वर्ष भी माह मार्च की तापमान बढ़ने एवं भीषण गर्मी पड़ने की संभावना हो सकती है, जिसके कारण जन स्वास्थ्य प्रभावित होने की संभावना बनी है। लू व तापघात से सभी वर्ग के व्यक्ति प्रभावित होते हैं, जिसे देखते हुऐ प्रतिवर्ष जिला प्रशासन एवं स्वास्थ्य विभाग द्वारा लू अलर्ट जारी किया जाता है, ताकि आम जनता को लू के लक्षण से अवगत कराया जा सके। कलेक्टर अभिजीत सिंह के निर्देशानुसार मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मनोज दानी, आई.डी.एस.पी. के नोडल अधिकारी डॉ. सी.बी.एस. बंजारे एवं जिला एपिडेमियोलॉजिस्ट श्रीमती रितीका सोनवानी ने लू तापघात के बचाव एवं जानकारी के रूप में सुझाव दिये हैं।

गर्मी से संबंधित बीमारी के लक्षण

बेहोशी, मांसपेशियों में जकड़न, मिर्गी / दौरा पड़ना, चिड़चिड़ापन, सिर दर्द, अधिक पसीना आना, कमजोरी / चक्कर आना, सांस और दिल की धड़कन तेज होना। बचाव -पर्याप्त तरल पदार्थों को लें, अपने आप को अच्छे से ढकें, धूप में खेलने से बचे और गाड़ी लॉक ना करे जब बच्चे गाड़ी में हों। प्राथमिक चिकित्सा के उपाय - बच्चे को तुरंत अंदर या छांव में लाएं, बच्चों के कपड़ों को जहां तक हो सके ढीला कर दे, नल के पानी से पोंछा करें या छिड़काव करें, अगर बच्चे को उल्टियां हों, तो उसे करवट के बल लिटाएं ताकि गले में कुछ ना फंसे।

क्या करें

पर्याप्त मात्रा में पानी पिएं, भले ही आपको प्यास न लगी हो, यात्रा करते समय या जब भी बाहर जायें तो पीने का पानी साथ रखें, ओरल रिहाइड्रेशन सॉल्यूशन (ओ.आर.एस.) का उपयोग करें, और घर के बने पेय जैसे नींबू पानी, छाछ/लस्सी का सेवन करें। अधिक पानी की मात्रा वाले मौसमी फल और सब्जियां खाएं जैसे तरबूज, खरबूजा, संतरा, अंगूर, अनानस, ककड़ी, सलाद या अन्य स्थानीय रूप से उपलब्ध फल और सब्जियां। ढीले, सूती वस्त्र पहनें, अधिमानतः हल्के रंग के कोशिश करें कि हल्के रंग के कपड़े पहनें। अपने सिर को ढकें धूप के सीधे संपर्क में आने के दौरान छाता, टोपी, तौलिया और अन्य पारंपरिक टोपी / गमछा का उपयोग करें।

क्या न करें

कोशिश करें कि धूप में न निकलें, खासकर दोपहर 12.00 बजे से 3.00 बजे के बीच। दोपहर को जहां तक हो सके ढीला कर दे, नल के पानी से पोंछा करें या छिड़काव करें, अगर बच्चे को उल्टियां हों, तो उसे करवट के बल लिटाएं ताकि गले में कुछ ना फंसे।

प्रदेश में महिलाएं असुरक्षित, बालोद, केशकाल गैंगरेप की घटना सरकार के माथे पर कलंक

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

प्रदेश में एक दिन के अंदर दो-दो गैंगरेप की घटनाये चिंता का विषय है। यह घटना सरकार के माथे पर कलंक है। प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता वंदना राजपूत ने कहा कि राज्य में जब से भाजपा की सरकार बनी है, महिलाये असुरक्षित हो गयी है।

बालोद जिले के दल्लीराजहरा में एक नाबालिक लड़की से सामूहिक दुराचार के बाद पीड़िता का वीडियो बनाकर प्रचारित करने का दुस्साहस आरोपियो ने किया। इसी प्रकार केशकाल में भी एक 19 वर्षिय युवती के साथ गैंगरेप की घटना हो गयी। इस युवती के घर में घुसकर गैंगरेप की घटना को अंजाम दिया गया। यह घटनाये बताती है कि प्रदेश में महिलाये अपने घरों अपने गांव में भी सुरक्षित नहीं है। साय सरकार महिलाओं को जीवन जीने के लिये सुरक्षित वातावरण देने में नाकामयाब हो गयी है।

प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता वंदना राजपूत ने कहा कि भाजपा की सरकार छत्तीसगढ़ की बहन बेटियों को भय मुक्त वातावरण देने में पूरी तरह नाकाम हो चुकी है। विगत दो वर्ष भीतर ही प्रदेश में दुष्कर्म के 6191 प्रकरण दर्ज किए गए, अर्थात रोज 9 महिला या बच्चियों से दुष्कर्म की घटनाएं घट रही हैं, हर 3 घंटे में कोई ना कोई महिला रेप का शिकार होने मजबूर है, कानून व्यवस्था पूरी तरह से चौपट हो चुकी है। सबसे ज्यादा दुष्कर्म और चाकूबाजी राजधानी रायपुर में ही हो रही हैं, बिलासपुर और कोरबा दूसरे और तीसरे स्थान पर है। भाजपा सरकार के रिकॉर्ड में ही बीते 2 साल के दौरान प्रदेश में 2114 हत्याएं हुई, 1458 लूट की घटनाएं कारित की गई, अपहरण के 5644, प्रकरण, चोरी के 7960 मामले और डकैती के 56 प्रकरण दर्ज हैं। अपराधी बेलगाम है और छत्तीसगढ़ में अपराध का ग्राफ भाजपा की सरकार आने के बाद से लगातार बढ़ रहा है जरा भी नैतिकता है तो गृह मंत्री स्वयम इस्तीफा दे या साय सरकार उन्हें तत्काल बर्खास्त करें।

व्यापारी एकता को मिलेगी नई मजबूती : चेम्बर ऑफ कॉमर्स ने शुरू किया सदस्यता अभियान

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

प्रदेश के सबसे बड़े और प्रभावशाली व्यापारिक संगठन, छत्तीसगढ़ चेम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज की राजनांदगांव इकाई द्वारा व्यापारिक हितों को सुरक्षित और सशक्त बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाया गया है। संगठन ने 1 मार्च से 31 मार्च 2026 तक 'आजीवन सदस्यता अभियान' चलाने का निर्णय लिया है।

राजनांदगांव इकाई के अध्यक्ष कमलेश बैद ने शहर के सभी छोटे-बड़े व्यापारियों और उद्योगपतियों से अपील की है कि वे इस अभियान का हिस्सा बनें। उन्होंने बताया कि इस संगठन से जुड़ने का मुख्य उद्देश्य व्यापारियों की समस्याओं को शासन-प्रशासन तक प्रभावी ढंग से पहुँचाना और एक मजबूत व्यापारिक ईकोसिस्टम तैयार करना है। आजीवन सदस्यता शुल्कः मात्र 3,500, निर्णय प्रक्रिया में भागीदारी: नए सदस्यों को चेम्बर की महत्वपूर्ण निर्णय प्रक्रिया में शामिल होने का अवसर मिलेगा। लोकतांत्रिक अधिकार: सदस्यता ग्रहण करने वाले व्यापारियों को संगठन के आगामी चुनावों में मतदान का अधिकार प्राप्त होगा।

जो व्यापारी साथी इस अभियान से जुड़ना चाहते हैं, वे निम्नलिखित पदाधिकारियों से सीधे संपर्क कर अपनी सदस्यता सुनिश्चित कर सकते हैं: संपर्क:कमलेश बैद अध्यक्ष 9827179000, अरुण डुलानी महामंत्री 7000171525, शिव अग्रवाल कोषाध्यक्ष 88390 11266, सभी नए सदस्य बनने इच्छुक सदस्यों को एकजुट होकर व्यापारिक हितों को और मजबूत करने की अपील की गई है।

पुलिस की बड़ी कार्रवाई जिले में होली त्यौहार पर अवैध नशे, जुआ और उपद्रवियों पर कसा शिकंजा

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

होली त्यौहार को शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने के उद्देश्य से पुलिस अधीक्षक सुश्री अंकिता शर्मा के निर्देशन में जिले भर में विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी कड़ी में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कीर्तन राठौर और संबंधित नगर पुलिस अधीक्षकों के मार्गदर्शन में जिले के विभिन्न थानों ने अवैध गांजा, शराब, जुआ और शांति भंग करने वाले असामाजिक तत्वों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की है। जिसके तहत चिखली पुलिस की गिरफ्त में गांजा तस्कर से 6 किलो गांजा जब्त किया गया।

चौकी चिखली और साइबर सेल की संयुक्त टीम ने होली में खपाने के लिए लाए गए अवैध गांजे की बड़ी खेप पकड़ी है। मुखबिर की सूचना पर गौरी नगर क्षेत्र में घेराबंदी कर दो आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। आरोपी इमरान अहमद सिद्दीकी (33 वर्ष) और मो. अदनान कुरैशी (28 वर्ष)।

आरोपियों के कब्जे से कुल 5.947 किलोग्राम गांजा बरामद किया गया, जिसकी कुल कीमत 59,470 रुपये आंकी गई है। आरोपियों के विरुद्ध एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर उन्हें जेल भेज दिया गया है। वहीं डोंगरगांव में 'भारत ढाबा' पर पुलिस की दबिश, 7 पेटी शराब बरामद

शुष्क दिवस के दौरान अवैध शराब बिक्री पर अंकुश लगाने हेतु डोंगरगांव पुलिस ने 'भारत ढाबा' अमलीडीह में रेड कार्रवाई की ढाबा संचालक निजामुद्दीन अंसारी उर्फ राजा (34 वर्ष) के कब्जे से 336 पौवा (60.480 बल्क लीटर) अवैध शराब जब्त की गई। जब्त शराब (देशी व अंग्रेजी) की कुल कीमत 28,800 रुपये है। आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेजा गया है। इधर डोंगरगढ़ के बोरतलाव पुलिस ने जंगल में चल रहे जुए के फड़ पर मारा छापा थाना बोरतलाव पुलिस ने ग्राम बागरेकसा के झाबडी जंगल में दबिश देकर हार-जीत का दांव लगा रहे 6 जुआरियों को रंगे हाथों पकड़ा। पकड़े गए आरोपी रामप्रसाद यादव, भीषण कोर्राम, मुकेश नेताम, चसिया कोर्राम, गणेश सोरी और राजेंद्र कंवर।

पुलिस ने मौके से 3700 रुपये नगद, ताश पत्ती और 15,000 रुपये मूल्य के 3 मोबाइल (कुल मशरुका 18,700 रुपये) जब्त किए। सभी के विरुद्ध छत्तीसगढ़ जुआ प्रतिषेध अधिनियम 2022 के तहत कारवाई की गई। लालबाग और चिखली में बदमाशों पर प्रतिबंधात्मक कार्रवाई

त्यौहार के दौरान हुड़दंग और शांति भंग करने वालों के विरुद्ध भी पुलिस सख्त दिखी अटल आवास पेंड्री निवासी दुरदेशी उर्फ जेठू निषाद को लोगों से विवाद करने और शांति भंग करने की आशंका पर धारा 170, 126, 135(3) डठर के तहत गिरफ्तार कर न्यायालय पेश किया गया। चौकी चिखली क्षेत्र के दो आदतन बदमाशों, तौफीक खान और दिव्यांश भावे को मोहल्ले में विवाद करने और अप्रिय घटना की आशंका के चलते गिरफ्तार कर जेल दाखिल कराया गया। किसी भी प्रकार की अवैध गतिविधि या हुड़दंग की सूचना तत्काल नजदीकी थाने में दें।

स्वदेशी मेला के लिए पूर्व विस अध्यक्ष पाण्डेय ने किया भूमिपूजन

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

भिलाई में आयोजित होने जा रहे स्वदेशी मेले के कार्यक्रम स्थल पर आज विधिवत भूमि पूजन संपन्न हुआ। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में छत्तीसगढ़ विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष प्रेम प्रकाश पांडेय (पूर्व विधानसभा अध्यक्ष) उपस्थित रहे। भूमि पूजन कार्यक्रम वैदिक मंत्रोच्चार के साथ संपन्न हुआ। अतिथि प्रेम प्रकाश पाण्डेय ने कहा कि स्वदेशी मेला केवल व्यापार का मंच नहीं, बल्कि देश की संस्कृति, स्वावलंबन और स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा देने का महत्वपूर्ण माध्यम है। ऐसे आयोजन से स्थानीय उद्यमियों और व्यापारियों को नई ऊर्जा और अवसर मिलते हैं।

कार्यक्रम संयोजक अजय भसीन ने बताया कि स्वदेशी मेले के माध्यम से देशी उत्पादों को प्रोत्साहन देने तथा लोगों को स्वदेशी के प्रति जागरूक करने का उद्देश्य है। मेले में विभिन्न प्रकार के स्वदेशी उत्पाद, हस्तशिल्प, खाद्य सामग्री एवं पारंपरिक वस्तुओं के स्टॉल लगाए जाएंगे।

इस अवसर पर मेला स्वागत समिति के अध्यक्ष दिनकर बासोतिया , संयोजक अजय भसीन,सहसंयोजक भोजराज सिन्हा,सरोजनी पाणिग्रही,स्वागत समिति सचिव दिव्या भसीन मकड़,कार्यक्रम समन्वयक अजय तिवारी, ,प्रान्त संपर्क प्रमुख सुब्रत चाकी ,प्रान्त प्रमुख संघर्ष वाहिनी दिनेश पाटिल, आर जगत, जगदीश मेहता, गार्गी शंकर मिश्रा,मोहन बागुल ,विनायक नातू, पंडित सुनील मिश्रा, गुरु प्रसाद तिवारी ,सुमन कन्नौज ,जयेश पंचाल भावेश सेन अशोक राठी, महेश वर्मा, राजा महोबिया, स्मिता महाडिक ,श्वेता कनौजिया, टीना सातपुते, ललित सेन लालजी टांक, जितेश साहू, पोषण साहू मनीष सिंह, सविता ,पूनम शाह बसंती, गायकवाड ,तनुजा बघेल, शीतल जांगिड़, दिनेश्वरी तुरकर ,इंदु साहू व बड़ी संख्या में महिला व सामाजिक कार्यकर्ता, व्यापारी एवं स्वदेशी के प्रति समर्पित नागरिक उपस्थित रहे। आयोजकों ने सभी से स्वदेशी मेले में बढ़-चढ़कर भाग लेने की अपील की। यह जानकारी शंकर सचदेव ने दी।

आकांक्षीय शौचालय निर्माण कार्य जल्द पूर्ण करने और योगा हॉल मरम्मत कराने के दिये निर्देश

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

नगर निगम द्वारा किये जा रहे निर्माण कार्य में प्रगति लाने एंव उद्यान संवर्धन की कडी में महापौर मधुसूदन यादव पुष्पवाटिका का निरीक्षण कर योगा हॉल का मरम्मत करने तथा आकांक्षीय शौचालय निर्माण कार्य जल्द पूर्ण करने के निर्देश संबंधित अधिकारी को दिए।

उद्यानों के संवर्धन के लिए शहर के सभी उद्यानों का संरक्षण एवं मरम्मत किया जाना है, इसी कडी में आज चौपाटी, पुष्पवाटिका का महापौर श्री यादव ने निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने अधिकारियो से कहा कि उद्यान की नियमित सफाई करे, आवश्यकता अनुसार डस्टबिन लगावे तथा खेल उपकरण व्यवस्थित कर विद्युत व्यवस्था दुरूस्त करे एवं आवश्यक मरम्मत करावे। गर्मी को देखते हुए, पर्याप्त मात्रा में घास एवं पेड़ पौधों में पानी डाले। उन्होंने कहा कि चूकि पुष्पवाटिका एवं चौपाटी क्षेत्र बड़ा होने के साथ साथ पुरानी हो गयी है। इस कारण इसका मरम्मत एवं संवर्धन आवश्यक है। जिसे ध्यान मे रखकर एवं नागरिको की सुविधा के लिए समय समय पर इसका संधारण करना आवश्यक है।

योगा हाल का निरीक्षण कर महापौर श्री यादव कहा कि योगा हॉल में भी मरम्मत की आवश्यकता है। इसके लिए स्टीमेंट तैयार कर आवश्यक मरम्मत करे, रंग रोगन कर, विद्युतिकरण दुरूस्त करे। उन्होने कहा कि हॉल दुरूस्त होने से बहुत से आयोजन यहा किया जा सकता है। इसी प्रकार पुष्पवाटिका में निर्माणाधीन आकांक्षीय शौचालय देख महापौर श्री यादव ने कार्य की प्रगति की जानकारी ली। संबंधित अधिकारी ने बताया कि 10 सीटर महिला एवं पुरूष शौचालय निर्माण कार्य अंतिम चरण में है, विद्युतिकरण तथा नल लगाने का कार्य किया जा रहा है। महापौर श्री यादव ने कहा कि निर्माण कार्य में तेजी लावे और शौचालय के सभी कार्य जल्द पूर्ण करे, जिससे इसका उपयोग हो सके।

पीआरजीआई सं.-CTHIN/25/A3746 यह हिंदी सांध्य दैनिक समाचार पत्र नई दृष्टिबिंद स्वामी एवं प्रकाशक आलोक तिवारी द्वारा समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स द्वारा प्लॉट नं. 339/6, गली नं. 02, पाटन, थाना उतई, दुर्ग, (छ.ग.)-491111 से मुद्रित करवा कर। 80/बी, मैत्री विहार, राधिका नगर, सुपेला, भिलाई, जिला दुर्ग, (छत्तीसगढ़)-490023 से प्रकाशित संपादक आलोक तिवारी मो. 7415469100 (समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार), समस्त विवादों का निपटारण न्यायालयीन क्षेत्र दुर्ग होगा।